सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

जन्म से मिले रिश्ते तो प्रकृति की देन है, लेकिन खुद के बनाए रिश्ते आपकी पूंजी है, इन्हें संभाल कर रखिये...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–61 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 22 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

UNITED STUDIES
MBBS CONSULTANTS
MBBS ADMISSIONS
(INDIA & ABROAD)
99933-26455 / 97553-66243
235, 236, 2nd Floor, Ghasidas Plaza, Aamapara, GE Road, Raipur, CG 492001

त्वरित टिप्पणी

कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग के बाद नई सामाजिक राजनीति का संकेत

आलोक तिवारी / भिलाई

भारतीय राजनीति में प्रतीकों की अपनी एक अलग शक्ति होती है। जब कोई नेता किसी व्यक्तित्व को लेकर बड़ा सवाल खड़ा करता है, तो उसका उद्देश्य केवल सम्मान की मांग नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक और राजनीतिक संदेश देना होता है। हाल के दिनों में राहुल गांधी द्वारा कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग इसी संदर्भ में देखी जानी चाहिए।

कांशीराम केवल एक राजनीतिक नेता नहीं थे, बल्कि उन्होंने बहुजन समाज की उस चेतना को जगाया, जिसने भारतीय लोकतंत्र में दलित राजनीति को एक नई दिशा दी। भीमराव अंबेडकर के बाद यदि किसी ने सड़क से सत्ता तक दलित आंदोलन को संगठित रूप दिया, तो वह कांशीराम ही थे। ऐसे में उन्हें भारत रत्न देने की मांग कोई असंगत या अचानक उठी हुई बात नहीं है। सवाल यह है कि इस मांग के पीछे राजनीति क्या है?

राहुल गांधी की इस पहल को सीधे-सीधे सामाजिक समीकरणों के पुनर्निर्माण के प्रयास के रूप में देखा जा सकता है। कांग्रेस लंबे समय से अपने पारंपरिक सामाजिक आधार—दलित, अल्पसंख्यक और कुछ हद तक सवर्ण वर्ग—को खो चुकी है। मंडल और मंदिर की राजनीति के बाद जो सामाजिक ध्रुवीकरण हुआ, उसमें कांग्रेस का आधार बिखर गया। आज पार्टी उसी आधार को फिर से जोड़ने की कोशिश में है।

दलित राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में मायावती की निष्क्रियता और क्षेत्रीय दलों की सीमित पकड़ ने एक खाली जगह बनाई है। यही वह स्पेस है, जहां कांग्रेस अपनी नई रणनीति के साथ उतरना चाहती है। कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग उसी 'सिंबॉलिक पॉलिटिक्स' का हिस्सा है, जिसके जरिए दलित समाज को यह संदेश दिया जा रहा है कि कांग्रेस उनके असली नायकों को सम्मान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

यह कदम भाजपा के लिए भी एक राजनीतिक दुविधा खड़ी करता है। यदि सरकार यह सम्मान देती है, तो इसका श्रेय राहुल गांधी लेने की कोशिश करेंगे। और यदि नहीं देती, तो इसे दलित विरोधी छवि के रूप में प्रचारित किया जा सकता है। इस तरह यह मांग एक रणनीतिक चाल भी है, जिसने सियासी बहस का केंद्र बदल दिया है। लेकिन राजनीति केवल एक वर्ग तक सीमित नहीं रहती। कांग्रेस का यह प्रयोग एक जोखिम भी साथ लाता है। यदि पार्टी अत्यधिक रूप से एक सामाजिक वर्ग पर केंद्रित होती है, तो अन्य वर्गों में असंतुलन की भावना पैदा हो सकती है। उत्तर भारत की राजनीति में सवर्ण और ओबीसी वर्ग की अपनी निर्णायक भूमिका है, जिसे नजरअंदाज करना किसी भी पार्टी के लिए आसान नहीं।

दरअसल, राहुल गांधी जिस 'सोशल जस्टिस' की राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं, वह केवल चुनावी रणनीति नहीं, बल्कि कांग्रेस के वैचारिक पुनर्गठन का प्रयास भी है। जातिगत जनगणना, आरक्षण और अब कांशीराम जैसे प्रतीकों को केंद्र में लाकर पार्टी अपने पुराने ढांचे से बाहर निकलने की कोशिश कर रही है।

आने वाले वर्षों में, खासकर 2027 के विधानसभा चुनावों और उसके बाद की राष्ट्रीय राजनीति में, यह स्पष्ट होगा कि यह रणनीति कितनी कारगर साबित होती है। क्या कांग्रेस दलितों के बीच अपनी खोई जमीन वापस पा सकेगी? क्या यह सामाजिक समीकरण भाजपा के मजबूत संगठन और रणनीति को चुनौती दे पाएगा? फिलहाल इतना तय है कि कांशीराम के नाम पर उठी यह बहस केवल एक सम्मान की मांग नहीं, बल्कि आने वाले समय की राजनीति की दिशा तय करने वाला संकेत है।

आमाघाट में अफीम की खेती का बड़ा भंडाफोड़ 2 करोड़ रुपए से ज्यादा का माल किया जब्त, आरोपी गिरफ्तार

60 हजार से अधिक पौधे नष्ट, झारखंड का आरोपी गिरफ्तार, दो फरार—एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

रायगढ़ जिले के तमनार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम आमाघाट में अवैध अफीम की खेती का बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 60 हजार से अधिक अफीम पौधों के साथ तैयार अफीम जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके दो साथी फरार बताए जा रहे हैं।

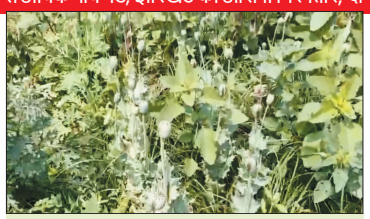

60,326 पौधे और 3 किलो तैयार अफीम जब्त

पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई रेड में मौके से 60,326 अफीम पौधे (वजन 2,877 किलोग्राम) 3.02 किलोग्राम तैयार अफीम बरामद की गई है। जब्त मादक पदार्थों की कुल अनुमानित कीमत 2 करोड़ 5 लाख 10 हजार रुपये बताई गई है। झारखंड का आरोपी गिरफ्तार, दो साथी हुए फरार।

अवैध कारोबार पर होगी सख्त कार्रवाई

जिले के पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन आघात के तहत जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर लगातार सख्त कार्रवाई जारी है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सभी संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र में इस स्तर की अफीम खेती का खुलासा सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ा संकेत है। पुलिस की इस कार्रवाई ने न सिर्फ एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है, बल्कि यह भी साफ कर दिया है कि नशे के कारोबार पर अब सख्ती और बढ़ने वाली है।

मुखबिर सूचना पर की गई बड़ी कार्रवाई

19–20 मार्च की रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भैर नाला किनारे खेतों में अवैध अफीम की खेती की जा रही है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस, ANTF, आबकारी, एफएसएल, कृषि और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की। एफएसएल जांच में फसल को अफीम की पुष्टि होने के बाद पूरी कार्रवाई की गई।

पूछताछ के आधार पर आरोपी के ठिकाने (ससुराल) की तलाशी ली गई, जहां से 3.02 किलोग्राम तैयार अफीम बरामद की गई, जिसकी कीमत लगभग 15 लाख रुपये बताई गई है। मामले में आरोपी के खिलाफ थाना तमनार में अपराध क्रमांक 59/2026 के तहत धारा 8 (बी), 18 NDPS Act में प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

मौके से गिरफ्तार आरोपी की पहचान मार्शल संगा (40 वर्ष) निवासी खूंटी के रूप में हुई है, जो आमाघाट में रहकर खेती कर रहा था। पूछताछ में उसने अपने दो साथियों—इमानवेल बेंगरा और सीप्रियन बेंगरा—के साथ मिलकर अवैध अफीम की खेती करना स्वीकार किया, जो फिलहाल फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

राजस्व वसूली के लिए भिलाई नगर निगम ने लगाया शिविर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत सम्पतिकर जलकर यूजर चार्ज एवं समस्त राजस्व करों की वसूली के लिए 2 स्थिति में शिविर का आयोजन किया गया है। नगर पालिक निगम भिलाई के राजस्व में वृद्धि करने और बकायादारों से वसूली के लिए 22 मार्च 2026 दिन रविवार को विशेष शिविर 2 स्थलों में आयोजन किया जा रहा है। जोन 03 मदर टेरेसा नजर अंतर्गत राम जानकी मंदिर, प्रगति नगर कैंप 01 में शिविर आयोजित है। साथ ही खुर्सीपार जोन 04 अंतर्गत मंगल बाजार छावनी में भी टैक्स जमा करने हेतु शिविर आयोजित है।

संपत्तिकर, जलकर, यूजर चार्ज (ठोस अपशिष्ट उपयोगकर्ता शुल्क), और समस्त राजस्व करों की अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 तक है। कर (टैक्स) जमा न करने पर 1,000 रुपये का जुर्माना और 18% सरचार्ज लग सकता है। इससे बचने के लिए 31 मई 2025 तक संपत्तिकर जमा कर सकते हैं।

आदित्य नारंग को मिली पीएचडी की उपाधि

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के शोधार्थी आदित्य नारंग को "दुर्ग संभाग के नगर निगम क्षेत्र में महिला स्वयं सहायता समूहों के विकास में बैंकिंग – नॉन बैंकिंग साख की भूमिका का अध्ययन" विषय पर पी.एचडी की उपाधि 2 मार्च को प्राप्त हुई है।

यह शोध के शोधनिर्देशक डॉ. विजय कुमार वासनिक, सहायक प्राध्यापक शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग तथा सह– शोध निर्देशक डॉ. एस. एन. झा, प्राध्यापक एवं विभाग अध्यक्ष (वाणिज्य), शासकीय विश्वनाथ यादव तमस्कर स्नाकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के निर्देशन में प्राप्त किया गया !

आदित्य नारंग के पिता आलोक कुमार नारंग जो की दुर्ग जिला कलेक्ट्रेट में कई अहम पदों पर रह हैं जैसे कि कलेक्टर रीडर तथा जिला नाजीर के पद में सेवानिवृत हुए और वह दुर्ग में निवासरत हैं !

उन्होंने अपने शोध में दुर्ग संभाग के नगरीय क्षेत्रों में कार्यरत महिला स्वयं सहायता समूहो के विकास (एनबीएफसी) नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनियो द्वारा उपलब्ध कराई गई साख की भूमिका का अध्ययन किया गया शोध कार्य में महिला स्वयं सहायता समूहो द्वारा एन.बी.एफ.सी द्वारा आसानी से उपलब्ध कराए गए साख की उपयोगिता उनके अनुभव तथा उनकी समस्याओं और उसके समाधान के बारे में बताया गया है !

वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य एन.बी.एफ.सी तथा परंपरागत बैंकिंग द्वारा उपलब्ध कराई गई साख व्यवस्था में जो अंतर है, उन विषयों पर प्रकाश डाला गया तथा उसमें आने वाली समस्याओं को उजागर कर नगर निगम क्षेत्रो के महिला स्वयं सहायता समूहों के व्यवसाय पर होने वाले प्रभाव के बारे में बताया गया एवं उससे संबंधित समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया गया है ! यह शोध महिलाओं के लिए नई संभावनाएं और उपाय प्रदान करता है, जिससे शहरी क्षेत्रो में विकास की नई दिशा स्थापित हो सकेगी।

छग टीम की दूसरी जीत, महाराष्ट्र को 3-0 से किया पराजित

अस्मिता वेस्ट जोन हॉकी प्रतियोगिता, मध्य प्रदेश ने राजस्थान को 20–0 गोल से पराजित किया

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

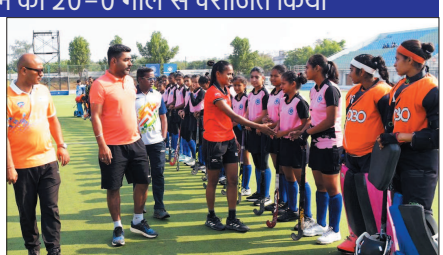

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित अस्मिता वेस्ट जोन हॉकी प्रतियोगिता के दूसरे दिन का पहला मैच मेजबान छत्तीसगढ़ विरुद्ध हॉकी महाराष्ट्र के मध्य खेला गया इस रोमांचक मुकाबले में मेजबान छत्तीसगढ़ ने महाराष्ट्र को 3–0 गोल से पराजित किया छत्तीसगढ़ टीम की ओर से मैच के 29वे मिनट में जर्सी नम्बर मधु सिंदर मैच के 51वे और 58वे मिनट में दुबी रावत और जिज्ञासा कश्यप ने गोल करते हुए मैच को 0 के मुकाबले 3 गोल से जीत हासिल की।

दूसरा मैच हॉकी मध्यप्रदेश विरुद्ध हॉकी राजस्थान के मध्य खेला गया इस एकतरफे मुक़ाबले में मध्यप्रदेश ने राजस्थान को 20–0 गोल से पराजित करते हुए अपनी दूसरी जीत दर्ज की हॉकी मध्यप्रदेश की और से नौशीन नाज ने 6 गोल नम्मी गीताश्री ने 4 गोल भाविका और प्रियांशी भंवर ने 3–3 गोल तथा अक्सा खान,विभा सिंह, साजिदा बेगम और रोली बाल्मीकि ने 1–1 गोल किए मैच के पूर्व उपस्थित अतिथियों ने मैदान के मध्य जाकर खिलाड़ियों परिचय प्राप्त कर शुभकामनाएं दी। मैच में प्रिया दुबे,अनामिका शर्मा,राजवीर कौर, कुलदीप कौर, खुशबू सिसोदिया, अमृता सेन,पिंकी नायक,ईशानी पटेल ने निर्णयक व तकनीक अधिकारी को भूमिका निभाई वहीं वंदन रघुवंशी टेक्निकल डेलीगेट के रूप में उपस्थित है। प्रथम मैच में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी सुश्री अनिशा साहू ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया,इस अवसर पर

जिला हाकी संघ के सचिव शिवनारायण धकेता अंतर्राष्ट्रीय हाकी खिलाड़ी परमजीत सिंह तथा मृणाल चौबे, नीलम चंद जैन, भूषण साव , छोटेलाल रामटेके (पार्षद) आशा थामस, महबूब कुरैशी चंदन भारद्वाज, शकील अहमद, दिग्विजय श्रीवास्तव, किशोर धीवर, शिवा चौबे, दिलीप रावत, योगेश द्विवेदी, सचिन खोबरागड़े, अभिनव मिश्रा, हारून खान, खुशाल यादव, सुखदेव निर्मलकार, कार्तिक यादव, कृष्णा यादव आदि उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण सूचना! हमारे पाठकों के लिए
सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु का E-Paper भी तैयार है। प्रतिदिन शाम 4:00 बजे पेपर नई दृष्टिबिंदु के गुगल के साइट Nayi Drishtibindu पर अपलोड हो जाता है। सभी पाठकों से आग्रह है कि प्रतिदिन शाम 4:00 बजे साइट पर Nayi Drishti bindu E-Paper सर्च कर ई पेपर देख सकते हैं।
Google
NAYI DRISHTIBINDU E-PAPER
शाम 4 बजे से पढ़े

चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन में पढ़ा शोधपत्र, प्रस्तुतिकरण पर डॉ.शर्मा सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

इस्पात नगरी भिलाई के साहित्य-संस्कृति मर्मज्ञ आचार्य डॉ.महेश चन्द्र शर्मा ने हाल ही में चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन भोपाल में सहभागिता दी। वहां डॉ.शर्मा ने "सामाजिक समरसता के आदर्श श्री राम - वनवासी समाज के विशेष सन्दर्भ में" शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया। तुलसी मानस प्रतिष्ठान और रामायण केन्द्र भोपाल ने श्रीरामचन्द्र पथ गमन न्यास संस्कृति विभाग मध्य प्रदेश शासन के सहयोग से उक्त समारोह आयोजित किया गया। सम्मेलन में डॉ शर्मा के शोध-पत्र को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। मुख्य अतिथि एवं हरियाणा और त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल प्रो.कप्तान सिंह सोलंकी ने सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र प्रस्तुति हेतु आचार्य डॉ. शर्मा को सम्मान-पत्र के साथ सम्मान राशि भेंट की।

उल्लेखनीय है कि भारत के 8 राज्यों और विश्व के ब्रिटेन, अमेरिका,रूस, नार्वे,जापान, मॉरीशस एवं श्रीलंका आदि देशों के विद्वानों ने भी इस सम्मेलन में सहभागिता की। सम्मेलन में डॉ. शर्मा ने कहा कि सामाजिक समरसता,प्रेम और सद्भाव के प्रेरणा पुरुष हैं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम।

रावण की मृत्यु के बाद वे विभीषण से उसके उचित अन्तिम संस्कार हेतु कहते हैं। उनके अनुसार उसकी मृत्यु के साथ ही बैर समाप्त हो गया, अब जैसा वह विभीषण के लिये है, वैसा ही उनके लिये भी है। माता शबरी से भी उन्होंने कहा था कि वे केवल भक्ति का ही नाता मानते हैं, ऊंच-नीच, अमीर-गरीब और जाति-पाँति नहीं। उन्होंने आगे कहा कि श्री राम को राज्याभिषेक की सूचना से सुख नहीं मिलता है और न ही वनवास की सूचना से दुख होता है। वे लोकाराधन और जनमत के सम्मान में सब-कुछ त्याग सकते हैं।

आचार्य डॉ.शर्मा इस के पूर्व भी देश-विदेश अनेक सफल साहित्यिक और सांस्कृतिक भ्रमण कर चुके हैं। उन्होंने भोपाल के इस समारोह में देश-विदेश के अनेक विद्वानों के साथ सहभागिता दी। इस चार दिवसीय महोत्सव के अवसर पर तुलसी मानस प्रतिष्ठान के कार्याध्यक्ष पं.रघुनन्दन शर्मा, रामायण केन्द्र भोपाल के निदेशक डॉ राजेश श्रीवास्तव, संस्कृति विभाग मध्य प्रदेश शासन के अधिकारी गण, तुलसी मानस भारती के प्रधान सम्पादक आचार्य प्रभु दयाल मिश्र एवं सम्पादक देवेन्द्र कुमार रावत के अलावा बड़ी संख्या में साहित्य-संस्कृति और धर्मप्रेमी उपस्थित रहे।

खास खबर

रसोई गैस संकट को लेकर महिला कांग्रेस का अनोखा विरोध प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

रसोई गैस की कीमतों में की गई मनमानी वृद्धि और गैस सिलेंडर के लिए मची मारा-मारी को लेकर देश भर में कांग्रेस पार्टी एक जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाते हुए संसद से सड़क तक की लड़ाई लड़ रही है। इसी कड़ी में दुर्ग महिला कांग्रेस अध्यक्ष कन्या ढीमर और उपाध्यक्ष लता जंघेल के नेतृत्व में महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वार्ड नंबर 47 रायपुर नाका दुर्ग में अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं ने सडक पर चूल्हा जलाकर खाना बनाया और मोदी सरकार व प्रदेश की साय सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही गैस के दाम कम नहीं किए गए और सिलेंडर की कालाबाजारी रोकने कड़े कदम नहीं उठाए गए तो महिला कांग्रेस उग्र आंदोलन पर बाध्य होगी। इस अवसर पर अश्वनी जांगड़े, शारदा साहू, जमुना पटेल, खुशबू साहू, प्रभा राजपूत, आरती चेलक, संगीता साहू, पिंकी साहू, उमिर्ला निर्मलकर सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

रोटरी क्लब सदस्यों ने गोवंश को बांधे रेडियम बेल्ट

भिलाई। रोटरी क्लब ऑफ भिलाई जीनियस के पदाधिकारियों ने गोवंश को दुर्घटना से बचाने अनूठी पहल की है। क्लब के सदस्यों ने दुर्ग-भिलाई के विभिन्न हिस्सों में घूम-घूम कर गोवंश को रेडियम बेल्ट बांधी। जिससे रात के वक्त गोवंश दूर से दिख जाए और संभावित दुर्घटनाएं रोकी जाए। क्लब के प्रेसिडेंट रोटेरियन अभिलाष जोशी ने बताया कि स्मृति नगर, जुनवानी, नेहरू नगर, स्टेशन रोड दुर्ग, धमधा रोड, मालवीय नगर और पद्मनाभपुर सहित विभिन्न व्यस्ततम मार्गों में 175 गोवंश को रेडियम बेल्ट बाँधा गया। इस कार्य में क्लब के सचिव रोटेरियन कमल चौहान, रोटेरियन संजय अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों का योगदान रहा। उन्होंने बताया कि क्लब की ओर से इस वर्ष का लक्ष्य मानव अंग, रक्त और नेत्रदान तथा शरीर दान के प्रति जागरुकता बढ़ाना है। इस वर्ष अब तक 5 शरीर दान किए जा चुके हैं और 21 नेत्रदान किए जा चुके हैं।

आस्था की ज्योति से जगमगाया डुंडेरा का मां शीतला धाम

दुर्ग। पहले की तरह ही इस चैत्र नवरात्रि के अवसर पर भी डुंडेरा में माता शीतला के मन्दिर की झलक ने श्रद्धालुओं को भक्तिमय कर दिया। नवरात्रि के पहले दिन पूजा सम्पन्न हुई। साथ ही साथ ज्योति कलश की स्थापना की गई। इस चैत्र नवरात्रि में 114 तेल, 3 घी और 20 जोत जंवारा की स्थापना ग्रामीणों के सहयोग से हुई। इसके अलावा गांव के पांच घरों में जोत जंवारा रखी गई है। पहले दिन से ही माता शीतला मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। जसगीत से गूंज रहा है मंदिर। नौ दिन तक चलने वाला शक्ति की उपासना का यह पर्व 19 मार्च से प्रारम्भ होकर 27 मार्च शुक्रवार को रामनवमी के दिन गांव का भ्रमण कर जंवारा विसर्जन होगा। नवयुवा जागरण मां शीतला सेवा समिति के सदस्य, आने वाले दिनों में भीड़ बढ़ने की संभावना को देखते हुए किसी भी प्रकार से दर्शन करने वालों को परेशानी न हो इसका ध्यान रखते हुए सजग और तत्परता के साथ जुटे हुए हैं।

दुर्ग का सत्तीचौरा जहां नवरात्र में पूरे नौ दिन पूजी जाती हैं बेटियां और कन्या भोज

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रदेश के एकमात्र स्थान दुर्ग के गंजपारा स्थित श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर में चैत्र नवरात्र पर्व एवं मंदिर का 16 वाँ वाषिकीत्सव के अवसर पर पूरे 9 दिवस कराया जाता है कन्या भोज जिसमें प्रतिदिन लगभग 151 कन्या माताओं का पूजन करके कन्या भोज कराया जाता है।

समिति के सुरेश गुप्ता सुजल शर्मा ने बताया कि चैत्र नवरात्र पर्व एवं 16 वे वार्षिक उत्सव के अवसर पर श्री सत्तीचौरा मां दुर्गा मंदिर दुर्ग में 19 मार्च से 27 मार्च तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे कन्या पूजन एवं कन्या भोज का आयोजन होता है, मंदिर परिसर में प्रातः 9 बजे से माता जी का अभिषेक उसके पश्चात दोपहर 12 बजे दुर्गा मंदिर परिसर में लगभग 150 से अधिक कन्या माताओं का पूजन करके कन्या भोज कराया जाता है।

समित्ति के सुजल शर्मा ने बताया कि मंदिर में रोजाना दोपहर 12 बजे कन्या पूजन किया जा रहा है। जिसमें प्रतिदिन अलग अलग सरकारी स्कूलों एवं अलग अलग वार्ड के से पूरे बाजे गाजे के साथ कन्या माताओं को माता की 108 फिट लंबी चुनरी के नीचे कन्या माताओं को माता की चुनरी में सजा के दुर्गा मंदिर लाया जाता है। जहा इन बेटियों का पूजन कर भोज कराया जा रहा है। उसके बाद उन्हें पायल जैन महिला कैट अध्यक्ष के द्वारा सभी कन्या माताओं को भेंट में शिक्षण सामग्री एवं घर उपयोग की सामग्री जिसमें बैग वाटर बॉटल टिफिन सेंट ड्राइंग बुक जैसे पेंसिल रबर शॉपनर कॉपी पेन बॉक्स और साथ में 9 प्रकार के फल आदि दिए जा रहे हैं ताकि वे शिक्षा की ओर बढ़ें और स्वस्थ रहे। समिति के लोगों का मानना है कि बेटियां अगर शिक्षित होंगी तो समाज भी शिक्षित होगा।

शहर के ऐतिहासिक सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर, गंजपारा में 16वां वाषिकीत्सव एवं चैत्र नवरात्र पर्व का आयोजन भव्यता के साथ किया जा रहा है। मंदिर की स्थापना वर्ष 2010 में हुई थी और यह दुर्ग का एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां साल में चारों नवरात्रों में नियमित कन्या पूजन और कन्या भोज का आयोजन किया जाता है एवं प्रतिदिन अलग अलग धर्मप्रेमियों द्वारा सपरिवार माता जी एक अभिषेक किया जाता है।

शोभायात्रा में छत्तीसगढ़ी संस्कृति से सजी झांकियाँ डीजे, बैंड पार्टी घोड़ा-बग्गी रथ और माता की सजीव झांकी शामिल होंगी। समिति के सदस्य शहर के धर्मप्रेमी और विभिन्न समाज के लोग आयोजन में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं यात्रा मार्ग दुर्गा मंदिर जीई रोड गंजपारा शनिचरी बाजार गांधी चौक सदर बाजार इंदिरा मार्केट तमेरपारा कंकालिन चौक चंडी चौक शिवपारा सिद्धार्थ नगर सत्तीचौरा दुर्गा मंदिर आयेगी।

इस वर्ष मंदिर की पूजा अचर्ना में यजमान प्रज्ञा राहुल शर्मा हैं, एवं प्रतिदिन अलग अलग धर्मप्रेमियों द्वारा पूरे परिवार के साथ उपस्थित होकर माता जी का अभिषेक किया जा रहा है, पूजन कार्य मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित सुनील पांडेय, आचार्य डॉ विक्रांत दुबे एवं आचार्य डॉ आकाश दुबे के मार्गदर्शन में हो रहे हैं।

प्रतिदिन के इस आयोजन में अजय शर्मा महेश टावरी राजेश शर्मा अशोक राठी प्रवीण भूतड़ा कुलेश्वर साहू दीपक चावड़ा पिंकी गुप्ता मनोज गुप्ता ललित शर्मा नरेंद्र गुप्ता गुड्डू कश्यप डब्बू चंद्रवंशी मनीष सेन मनोज गुप्ता लाला योगेन्द्र शर्मा बंटी अर्जित शुक्ला सोनल सेन हर्षद पारख बसंत शर्मा प्रकाश सिन्हा रमेश बावनकर लक्की अग्रवाल भूपेंद्र सेन नमन खंडेलवाल सुयश गुप्ता मोहित पुरोहित ऋषि गुप्ता वासु शर्मा दुर्गा कश्यप प्रशांत कश्यप चिंटू शर्मा एवं अन्य उपस्थित थे।

जनगणना की तैयारी तेज, शिक्षकों को बनाया जाएगा प्रगणक-पर्यवेक्षक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जनगणना-2027 को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। इसी कड़ी में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जनगणना कार्य की प्रगति और आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में जनगणना के प्रथम चरण यानी मकान सूचीकरण की तैयारियों पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रगणकों और पयर्वेक्षकों की सूची जल्द तैयार कर प्रस्तुत की जाए, जिसमें 10 प्रतिशत अतिरिक्त रिजर्व स्टाफ भी शामिल किया जाए। उन्होंने इस कार्य के लिए शासकीय प्राथमिक एवं मिडिल स्कूलों, हेडमास्टरों तथा शासकीय कॉलेजों के स्टाफ की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी नगरीय निकायों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों को अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित शासकीय प्राथमिक एवं मिडिल स्कूलों, हेडमास्टरों तथा शासकीय कॉलेजों के स्टाफ की ड्यूटी इस कार्य में लगाने को कहा।

कलेक्टर ने प्रगणकों और पयर्वेक्षकों की नियुक्ति से जुड़ी जानकारी विस्तार से ली और उनके पदनाम, मोबाइल नंबर, पता सहित सभी आवश्यक विवरण शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले का कोई भी व्यक्ति या परिवार गणना से वंचित नहीं रहना चाहिए। जनगणना-2027 दो चरणों में संपन्न होगी। पहले चरण में 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग) किया जाएगा, जिसमें सभी भवनों और मकानों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण में जनसंख्या से संबंधित विस्तृत जानकारी एकत्रित की जाएगी।

भक्त माता कर्मा जयंती समारोह में शामिल हुए दुर्ग विधायक चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मंचादूर में स्थानीय ग्रामीण साहू समाज द्वारा भक्त शिरोमणि मां कर्मा जयंती बड़ी धूम धाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर सम्मिलित हुआ। इस अवसर पर भक्त माता कर्मा की पूजा अचर्ना कर आशीर्वाद प्राप्त किया और क्षेत्रवासियों को भक्त माता कर्मा जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दी। साथ ही महाप्रसाद खिचड़ी ग्रहण किया।

कर्मा जयंती के पावन अवसर पर ग्राम में कलश यात्रा के साथ नगर भ्रमण किया भक्त माता कर्मा और दानवीर भामासाह जयकारे से नगर गूंज उठा। साथ ही समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और समाज के उत्थान के लिए काम करने वाले सम्माननीय जानों का सम्मान किया गया।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ में माता कर्मा जयंती का पर्व पूरे श्रद्धाभाव और सामाजिक समरसता के साथ मनाया जाता है। साहू तैलिक समाज की आराध्य देवी माता कर्मा की जयंती पर पूरे राज्य में शोभायात्राएँ, कलश यात्राएँ और विविध धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन आज किया गया हैं, जिनमें सभी समाजों की भागीदारी से एकता और भाईचारे का संदेश भी प्रसारित होता है। उन्होंने प्राथर्ना की कि माता कर्मा का आशीर्वाद हम सभी पर सदैव बना रहे। विधायक ललित चंद्राकर ने विश्वास जताया कि भक्त माता कर्मा के आदर्श हमें समाज में करुणा, समानता और समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देते रहेंगे।

श्री चंद्राकर ने कहा परम आराध्य साध्वी भक्त शिरोमणि मां कर्मा बाई देश विदेश में आवासित करोड़ करोड़ सर्व साहू तेली समाज की आराध्य देवी मां कर्मा बाई की गौरव गाथा जन-जन के मानस में श्रद्धा भक्ति के भाव से विगत हजारों वर्षो से अंकित चली आ रही है इतिहास के पन्नों पर उनकी पावन गाथा तथा उनसे संबंधित लोकगीत की किवंदतिया और आख्यान इस बात के प्रमाण है की मां कर्मा बाई कोई काल्पनिक पात्र नहीं है माता कर्मा के द्वारा किए गए कार्य आज भी आम जनमानस को दिखाई पड़ता है आज उपस्थित साहू समाज के समस्त माता बहनों भाइयों और बुजुर्गो को भक्त शिरोमणि माता कर्मा की जन्म जयंती की पुनः बधाई देता हूं।

इस अवसर पर अध्यक्ष गजेंद्र साहू, उपाध्यक्ष मंशाराम साहू, शिव कुमार साहू,युवराज सिंह साहू,अमृष कुमार साहू,पूर्व सरपंच दिलीप साहू,सरपंच युगल किशोर साहू,उपसरपंच दुस्यंत साहू,बैशाखु राम साहू,महामंत्री प्रवीण यदु,सोसायटी अध्यक्ष फलेन्द्र राजपूत,धनराज साहू,योगेश पटेल व समस्त साहू समाज के नागरिक गण उपस्थित रहे।

राजस्व पखवाड़ा : किसानों के अधिकारों के समाधान का सुनहरा अवसर

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित राजस्व पखवाड़ा 2026 के तहत किसानों और आम नागरिकों की राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य भूमि रिकॉर्ड को दुरुस्त करना, लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करना तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना है।

इस अभियान के दौरान नामांतरण, बंटवारा, नक्शा सुधार, खसरा त्रुटि सुधार, किसान किताब (ऋण पुस्तिका), आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, फसल क्षति से जुड़े प्रकरण, भूमि विवाद सहित अन्य राजस्व संबंधी समस्याओं का समय-सीमा में समाधान किया जा रहा है। इसके लिए गांव-गांव में विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां संबंधित अधिकारी मौके पर ही प्रकरणों की सुनवाई और निराकरण कर रहे हैं। किसानों से अपील की गई है कि वे अपने ग्राम में आयोजित शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने लंबित मामलों का निराकरण कराएं। यह अभियान न केवल किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

58 वार्ड में होंगे विकास कार्य, मंत्री यादव की पहल से 9.50 करोड़ स्वीकृत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के सभी 58 वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए बड़े पैमाने पर विकास कार्य किए जाएंगे। स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि और विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल पर शासन द्वारा 9.50 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। इस महत्वपूर्ण स्वीकृति से शहर के विभिन्न वार्डों में लंबे समय से लंबित कार्य अब तेजी से पूरे किए जा सकेंगे।

शासन से स्वीकृत राशि का उपयोग मुख्य रूप से नाली निर्माण, पुलिया निर्माण और जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए किया जाएगा। ये कार्य जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से प्राप्त मांगों के आधार पर प्राथमिकता तय करते हुए कराए जाएंगे, जिससे बरसात के मौसम में जलभराव जैसी समस्याओं से राहत मिलेगी और आवागमन भी सुगम होगा।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि दुर्ग शहर का समग्र और संतुलित विकास प्रदेश सरकार की सवोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा की हमारा उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि शहर के प्रत्येक वार्ड में रहने वाले नागरिकों को बेहतर और सुविधाजनक व्यवस्था प्रदान करना है। लंबे समय से जिन क्षेत्रों में नाली और पुलिया जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी थी, वहां अब तेजी से काम किया जाएगा। इससे स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होगी और नागरिकों को होने वाली दैनिक परेशानियों से मुक्ति मिलेगी।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने आगे कहा, दुर्ग शहर को व्यवस्थित, स्वच्छ और आधुनिक शहर बनाने के लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं। हर वार्ड में विकास कार्य समान रूप से पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जा रहा है। सामुदायिक भवन, सीसी रोड, सड़क चौड़ीकरण, एप्रोच रोड, बिजली पोल विस्तार जैसे कार्य जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से मिल रही प्रतिक्रिया के आधार पर योजनाएं तैयार की जा रही हैं, ताकि वास्तविक जरूरतों के अनुसार कार्य हो सके। मंत्री यादव ने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार आम जनता की आवश्यकताओं को गंभीरता से समझते हुए त्वरित निर्णय ले रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में विकास कार्यों को गति मिली है। उनके मार्गदर्शन में प्रदेश के साथ-साथ दुर्ग शहर भी निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। मैं दुगर्वासियों की ओर से मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए राशि स्वीकृत की।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने के बाद शहर की बुनियादी सुविधाएं मजबूत होंगी और नागरिकों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आएगा। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण और समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि जनता को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके। इस पहल से दुर्ग शहर के सभी 58 वार्डों में आधारभूत ढांचा मजबूत होगा और शहर विकास की नई दिशा में आगे बढ़ेगा।

शतरंज स्पर्धा में परिधि ने स्वाति घाटे को हराकर मचाई खलबली

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के तत्वाधान तथा आल इंडिया चेस फेडरेशन के निर्देशन में रायपुर के अग्रसेन धाम में 16 से 22 मार्च तक आयोजित चीफ मिनिस्टर छत्तीसगढ़ ट्रॉफी राष्ट्रीय महिला शतरंज टीम चैंपियनशिप में पांचवें चक्र में छत्तीसगढ़ की बी टीम से खेल रही दुर्ग जिले की क्लास 8वीं कृष्णा पब्लिक स्कूल नेहरू नगर भिलाई में अध्ययनरत खिलाड़ी परिधि लिल्हारे ने बड़ा उलटफेर करते हुए भारतीय जीवन बीमा निगम की अनुभवी खिलाड़ी वुमेन ग्रैंड मास्टर स्वाति घाटे को हराकर सनसनी फैलाते हुए पूरे टूर्नामेंट का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

भारतीय जीवन बीमा निगम की खिलाड़ी स्वाति घाटे ने सिसिलियन डिफेंस से ओपनिंग की। परिधि ने काले मोहरों से खेलते हुए बेहतरीन काउंटरप्ले दिखाया। मिडिल गेम में परिधि ने स्थिति को संतुलित रखते हुए धीरे धीरे दवाब बनाया। एंडगेम में

सटीक चालों से अनुभवी खिलाड़ी को मात दी।

जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी, उपाध्यक्ष दिनेश जैन,ललित वर्मा,एस के भगत, मोरध्वज चंद्राकर, दिनेश नालोडे, सह सचिव संजय खंडेलवाल,हरीश सोनी,रॉकी देवांगन,जावहर सिंह,अजय साहू,जयंता दास, अंतर्राष्ट्रीय आर्बिटर अलंकार भिवगड़े, रॉकी देवांगन,सिनियर नेशनल आर्बिटर अनिल शर्मा, परिधि लिल्हारे के पिता लोकेश लिल्हारे ने परिधि को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सभी के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ विधानसभा बजट सत्र : मुख्यमंत्री ने जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

विधानसभा के बजट सत्र के सफल समापन पर मंत्रीगण एवं विधायकगण ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विधानसभा स्थित उनके कार्यालय में भेंट कर उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया और सफल सत्र के लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी के समन्वय और सहयोग से ही यह सत्र सार्थक और सफल बन पाया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का पावन मंदिर है और लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाना ही इसका मूल दायित्व है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस बजट सत्र के दौरान लगभग 585 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने विधानसभा की कार्यवाही का अवलोकन किया जो एक अत्यंत प्रेरणादायक पहल है। इससे यह संदेश गया है कि राज्य सरकार भटके हुए युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है, जिसका सीधा संबंध राज्य की आंतरिक

सुरक्षा, शांति और समृद्धि से है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट सत्र में कुल 15 बैठकें आयोजित हुईं और यह सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण एवं परिणामकारी रहा। सत्र के दौरान माननीय राज्यपाल के अभिभाषण पर सदन द्वारा कृतज्ञता व्यक्त की गई तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पारित किया गया। इसके साथ ही कई महत्वपूर्ण विधायी कार्य भी सम्पन्न हुए।

उन्होंने कहा कि इस सत्र में छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक-2026, छत्तीसगढ़ नगर एवं ग्राम निवेश (संशोधन) विधेयक-2026 तथा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल (संशोधन) विधेयक-2026 जैसे महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए। साथ ही भर्ती परीक्षाओं में नकल रोकने संबंधी विधेयक तथा छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल विधेयक भी सर्वसम्मति से पारित हुए, जो युवाओं के भविष्य और पारदर्शी भर्ती प्रणाली के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सत्र के दौरान सदन के सदस्यों ने अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की, प्रश्न पूछे और अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया, जो लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वे भले ही अस्वस्थता के कारण सदन में उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने लगातार डिजिटल माध्यम से सदन की कार्यवाही पर नजर रखी।मुख्यमंत्री ने उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सत्र के सफल संचालन के लिए नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप, मंत्रिपरिषद के सदस्यों, सभी विधायकगण, विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा, सुरक्षा कर्मियों एवं समस्त अधिकारियों-कर्मचारियों को विशेष धन्यवाद दिया। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी ने सदन की महत्वपूर्ण कार्यवाही और जनहित के मुद्दों को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

खास खबर

अटल डिजिटल केंद्रों से 2.78 लाख ट्रांजेक्शन, 84.23 करोड़ का लेनदेन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कोंडागांव जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं को सुलभ बनाने अटल डिजिटल केंद्र खोले गए हैं। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि गांव में संचालित इन केंद्रों के माध्यम से अब ग्रामीणों को बैंकिंग और शासकीय सेवाएं उनके घर के पास ही मिल रही हैं। इससे शहर जाने की जरूरत कम हुई है और समय के साथ खर्च की भी बचत हो रही है। अटल डिजिटल केंद्रों के जरिए ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाएं, बिजली बिल जमा, डीटीएच रिचार्ज, महतारी वंदन योजना की राशि आहरण, श्रम कार्ड से जुड़ी सेवाएं, डिजी-पे के माध्यम से शासकीय योजनाओं की राशि प्राप्त करना व वाहन व स्वास्थ्य बीमा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इससे ग्रामीण अब सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। जिले की 260 ग्राम पंचायतों में वीएलई के साथ एमओयू कर सेवाओं का विस्तार किया गया है। अटल डिजिटल केंद्रों के माध्यम से अब तक 2,78,083 ट्रांजेक्शन किए जा चुके हैं, जिनके जरिए 84 करोड़ 23 लाख 23 हजार 76 रुपये का लेनदेन हुआ है। कोण्डागांव जिले में प्रति वीएलई प्रति महीना 136 ट्रांजेक्शन और 410889 रुपये के साथ कोण्डागांव जिला राज्य में "प्रथम" स्थान पर है।

यह ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। बताया कि इस पहल से ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए शहर नहीं जाना पड़ रहा, जिससे उनकी सुविधा और संतुष्टि दोनों बढ़ी है। जिला प्रशासन द्वारा इस व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के प्रयास जारी हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक इसका लाभ पहुंच सके।

किसानों से किया हर एक वादा पूरा कर रही है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने दो दिवसीय राज्य स्तरीय तिलहन किसान मेले का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सरगुजा जिले के अंबिकापुर स्थित राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र में दो दिवसीय राज्य स्तरीय तिलहन किसान मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर किसानों को दी जा रही आधुनिक कृषि तकनीकों और तिलहन उत्पादन बढ़ाने के उपायों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में ह्रूएक पेड़ मां के नामह्व अभियान के तहत साल का पौधा रोपित किया और पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है, जहां लगभग 80 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार किसानों से धान की खरीदी 21 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से 3100 रुपये में कर रही है तथा अंतर की राशि का भुगतान भी एकमुश्त किया जा रहा है। श्री साय ने कहा कि पिछले 2 वर्षों से हमारी सरकार किसानों से किया हर एक वादा पूरा कर रही है। उन्होंने किसानों से संवाद कर होली के पूर्व धान के अंतर की राशि का भुगतान तथा योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी भी ली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हो चुका है, लेकिन तिलहन उत्पादन में अभी भी कमी है। वर्तमान में देश अपनी आवश्यकता का लगभग 57 प्रतिशत ही तिलहन उत्पादन कर पा रहा है, शेष 43 प्रतिशत आयात करना पड़ता है। इस कमी को दूर करने के लिए तिलहन विकास परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिकों के सुझावों को अपनाकर तिलहन उत्पादन बढ़ाएं। उन्होंने जानकारी दी कि कृषक उन्नति योजना की तर्ज पर तिलहन फसलों के लिए प्रति एकड़ 11 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि देने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और मत्स्य पालन जैसे सहायक व्यवसायों को अपनाकर आय बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि जीएसटी में सुधार के बाद कृषि यंत्रों की कीमतों में कमी आई है, जिससे किसानों को लाभ मिल रहा है।

कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान का उल्लेख करते हुए कहा कि देश को खाद्य तेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना आवश्यक है। उन्होंने किसानों से दलहन एवं तिलहन फसलों का उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने तिलहन विकास कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि किसानों को विश्वविद्यालय के माध्यम से उन्नत बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। राज्य में संचालित 28 कृषि महाविद्यालयों, 27 कृषि विज्ञान केंद्रों एवं अनुसंधान संस्थानों के जरिए हर वर्ष लगभग 50 हजार किसानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक प्रबोध मिंज, विधायक रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष राम किशुन सिंह, सभापति हरविंदर सिंह, राम लखन पैंकरा, संभाग आयुक्त नरेंद्र कुमार दुग्गा, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कुदरगढ़ी माता मंदिर में पूजा-अर्चना कर की प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज चैत्र नवरात्रि की तृतीया तिथि के पावन अवसर पर कुदरगढ़ी माता के दर्शन करने सूरजपुर जिले स्थित कुदरगढ़ी माता मंदिर पहुंचे। कुदरगढ़ महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर उन्होंने मंदिर के नीचे प्रांगण स्थल पर ही हिंगुलाज माता एवं झगरा खाड़ु देवता की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार चंदन लगाकर एवं चुनरी चढ़ाकर श्रद्धापूर्वक माता का नमन किया। इस दौरान स्थानीय बैगा राम कुमार बंछोर ने पूजा-अर्चना संपन्न कराई। उनके परिवार की लगभग 10 पीढ़ियां कुदरगढ़ी माता की सेवा में निरंतर लगी हुई हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने उपस्थित श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और सभी को कुदरगढ़ महोत्सव की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन विकास निगम एवं कुदरगढ़ी मंदिर मां बागेश्वरी लोक न्यास ट्रस्ट के अध्यक्ष रामसेवक पैंकरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि जनश्रुतियों के अनुसार कुदरगढ़ी माता मंदिर की मान्यता है कि यहां श्रद्धापूर्वक मांगी गई हर मन्नत पूरी होती है। इसी कारणवश जिले सहित प्रदेश एवं अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर माता के दर्शन कर आशीर्वाद लेते हैं।

वनौषधि परंपरा के संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मंत्री कश्यप

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप आज छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के नवनियुक्त उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला के पदभार ग्रहण समारोह में शामिल हुए। यह कार्यक्रम राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर, जीरो प्वाइंट, रायपुर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा , विधायक किरण सिंह देव, विधायक अनुज शर्मा और विधायक इंद्रकुमार साहू अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ एक वन संपदा से समृद्ध राज्य है, जहां लगभग 44.21 प्रतिशत क्षेत्र में वन हैं। यहां के वनों में विभिन्न प्रकार की वनौषधियां पाई जाती हैं, जिनका उपयोग प्राचीन काल से उपचार के लिए किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करने और आमजन तक इसके लाभ पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2012 से 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन अंजय शुक्ला द्वारा उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण करना एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके अनुभव से औषधि पादप बोर्ड को मजबूती मिलेगी और यह नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

समारोह में तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि औषधि पादप बोर्ड द्वारा वैद्य सम्मेलन, वनौषधि प्रदर्शनी और जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि श्री शुक्ला के मार्गदर्शन में बोर्ड और बेहतर कार्य करेगा। कार्यक्रम को विधायक किरण सिंह देव ने भी संबोधित करते हुए कहा कि श्री शुक्ला के अनुभव का लाभ औषधि पादप बोर्ड को मिलेगा और बोर्ड नए आयाम स्थापित करेगा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने कि राज्य सरकार वन औषधीय के पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण और संवर्धन के लिए पादप बोर्ड का गठन किया है। जो लगातार बेहतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने श्री शुक्ला को बधाई देते हुए कहा पादप बोर्ड को उनके अनुभव का निश्चित ही लाभ मिलेगा और बोर्ड बेहतर नवाचार करेगा।

कार्यक्रम में अपेक्स बैंक के अध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता, खाद्य आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, अध्यक्ष अल्प संख्यक आयोग अमरजीत सिंह छाबड़ा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम, लोकेश कावड़िया, अध्यक्ष, रायपुर विकास प्राधिकरण नंदकुमार साहू , जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती स्वाती वर्मा, सतनामी समाज के धर्मगुरू गुरू बालदास, रमेश सिंह ठाकुर, अशोक पाण्डे, श्याम नारंग सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जे.ए.सी.एस. राव सुरेन्द्र पाटनी, अमित साहू, आलोक साहू सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

आस्था के केंद्र कुदरगढ़ धाम का होगा भव्य विकास- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने सूरजपुर जिले में 185 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय चैत्र नवरात्रि की तृतीया तिथि के पावन अवसर पर सूरजपुर जिले के विकासखण्ड ओड़गी अंतर्गत ग्राम पंचायत कुदरगढ़ पहुंचे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी आस्था के केंद्र कुदरगढ़ धाम का भव्य विकास होगा। माता के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सूरजपुर जिले में 185 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री ने माँ कुदरगढ़ी के पावन धाम में पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व है और मैं आज माँ कुदरगढ़ी के दरबार में आया हूँ, सूरजपुर वासियों ने मुझे यह सौभाग्य दिया, इसके लिए मैं आप सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रदेश के कोने-कोने से मां कुदरगढ़ी के दर्शन के लिए पहुंचे भक्तजनों को भी मैं सादर प्रणाम करता हूँ। जब चैत्र नवरात्रि पर देवी मंदिरों में भक्तों का उत्साह देखता हूँ तो बहुत अच्छा लगता है। हमारे देवी-देवता हमारे आस्था के प्रतीक तो हैं ही, वे हमारे जीवन में उत्सव का रंग भी भरते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के इस शुभ दिन सूरजपुर जिले में 185 करोड़ रुपए के 76 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है। सूरजपुरवासियों को इसके लिए मैं हार्दिक बधाई देता हूँ। इन कार्यों में 20 करोड़ रुपए के 52 कार्यों के लोकार्पण तथा 164 करोड़ रुपए के भूमिपूजन के कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन कार्यों में सड़क, भवन, पेयजल, शिक्षा, जलाशय एवं नगरीय अधोसंरचना से जुड़े निर्माण शामिल हैं। साथ ही कुदरगढ़ में सवर्सुविधायुक्त नवनिर्मित विश्रामगृह भवन का लोकार्पण भी किया गया है। लगभग 3 करोड़ 9 लाख 60 हजार रुपये की लागत से निर्मित इस आधुनिक भवन में अतिथियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि माता के आशीर्वाद से बस्तर क्षेत्र से नक्सलवाद समाप्त करने की दिशा में सरकार लगातार प्रयासरत है। कुदरगढ़ धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शीघ्र ही रोपवे का निर्माण कराया जाएगा, जिससे दर्शन करना और अधिक सुगम हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि क्षेत्र में डोम, बिजली सहित सभी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, ताकि कुदरगढ़ धाम का समग्र और सुव्यवस्थित विकास सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने जिले में पोषण के प्रति जागरूकता के लिए सुपोषण रथ, आपराधिक जागरूकता रथ और यातायात जागरूकता रथ को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के बेहतर पोषण के लिए जनजागरूकता बेहद आवश्यक है। स्वस्थ महिला और बच्चों से परिवार की खुशियां मजबूत होती हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि यातायात के नियमों के प्रति सभी को सजग होना चाहिए जिससे सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है और लाखों लोगों का जीवन बचाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सूरजपुर जिले में रेडी टू ईट निर्माण कार्य के माध्यम से पोषण कार्यक्रम का संचालन बेहतर ढंग से किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बच्चों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने इस पहल को जिले के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन पर्व नई ऊर्जा और समृद्धि का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की उन्नति के लिए निरंतर कार्य कर रही है और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनकी आय बढ़ाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि सरगुजा ओलंपिक के आयोजन से इस क्षेत्र के खिलाड़ियों को खेल का नया अवसर मिला है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि नवरात्रि के अवसर पर माता रानी का आशीर्वाद सभी जिले वासियों पर बना रहे। सरकार महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी सेवाओं को मजबूत करते हुए महिलाओं और बच्चों को बेहतर पोषण प्रदान करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में आपके क्षेत्रों के विकास के लिए निरन्तर कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर वन विकास निगम के अध्यक्ष राम सेवक पैंकरा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, जिले के वरिष्ठ अधिकारीगण, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे।

संपादकीय

मतांतरण रोकने के लिए नए सख्त कानून की जरूरत थी

छत्तीसगढ़ में अवैध मतांतरण को रोकना एक गंभीर चुनौती राज्य बनने के बाद से रही है। इसे रोकने के लिए कानून तो था लेकिन उस कानून में सजा और जुर्माना कम होने से मतांतरण कराने वालों में उसका जरा भी डर नहीं था। मतांतरण रोकने के लिए एक सख्त कानून की जरूरत थी जिसमें सजा भी ज्यादा हो और जुर्माना भी ज्यादा हो। एक खामी यह भी थी कि मतांतरण करने वाला मतांतरण के बाद इस बात की किसी को सूचना नही देता और मतांतरण कराने वाला भी मतांतरण की सूचना किसी को नहीं देता था क्योंकि यह जरूरी नहीं था। मतांतरण करने वाला मतांतरण कर लेता और मतांतरण कराने वाला मतांतरण करा लेता था और यह किसी तो पता नहीं चलता कि किसने मतांतरण किया और किसने मतांतरण कराया। वह वैध या है अवैध है। इससे किसी क्षेत्र की जनसंख्या में बदलाव हो जाता और सरकार को पता नही चलता था।

मुख्यमंत्री साय ने भाजपा की सरकार पर वादा किया था कि वह अवैध मतांतरण को रोकने के लिए सख्त कानून लेकर आएंगे और उन्होंने अपना वादा पूरा कर दिया है। गुरुवार 19 मार्च को विधानसभा में छग धर्म स्वातंत्र्य विधेयक–26 पेश किया गया और ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। अब छत्तीसगढ़ में कोई अवैध मतांतरण कराता है यानी बलपूर्वक,प्रलोभन देकर या धोखाधडी से मतांतरण कराता है तो दोषी लोगों को आजीवन कठोर सजा भुगतनी होगी।नए कानून में डिजिटल माध्यमों से दिए जाने वाले प्रलोभन को भी अपराध की श्रेणी में शामिल कर सभी संबंधित अपराधों को संज्ञेय व गैरजमानती बनाया गया है ताकि इस तरह का अपराध करने वालों को जल्दी से जमानत न मिल सके उनको एहसास हो उनको गंभीर अपराध किया है।

छह अध्याय और 31 बिंदुओं वाले इस नए विधेयक की एक खासियत तो यह है कि इसमें पैतृक धर्म में वापसी तो मतांतरण के दायरे से बाहर रखा गया है।इससे जो मतांतरित हो चुके हैं वह पैतृक धर्म में वापस आना चाहे तो उनको आसानी होगी।वहीं मतांतरण के मामलों की सुनवाई के लिए प्रत्येक जिले में विशेष सत्र न्यायालय का गठन होगा ताकि राज्य की सांस्कृतिक अस्मिता व धार्मिक स्वतंत्रता को सुरक्षित रखा जा सके।यह विधेयक छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक1968 की जगह लेगा। इस विधेयक में मतांतरण के एक प्रक्रिया तय है। मतांतरण करने वाले को प्राधिकृत अधिकारी के पास आवेदन करना होगा,मतांतरण करने वाले व्यक्ति की जानकारी पंचायत, वेबसाइट और थाने में प्रदर्शित होगी।30 दिन में दावा–आपत्ति व जांच पूरी होगी। यदि 90 दिन के भीतर मतांतरण नहीं हुआ तो आवेदन निरस्त माना जाएगा।

नए विधेयक में जैसा मतांतरण होगा उसी के हिसाब से सजा व जुर्माना भी होगा। मतांतरण का सामान्य मामला है तो मतांतरण कराने वाले को दस साल की सजा होगी और कम से कम पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। यदि मतांतरित नाबालिग,महिला,एससी,एसटी या ओबीसी वर्ग से है तो 10 से 20 की सजा और कम से कम 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। यदि कही पर सामूहिक यानी बड़ी संख्या में लोगों को मतांतरित किया जाता है तो दस साल से लेकर आजीवन कारावास की सजा होगी और कम से कम 25 लाख रुपए जुर्माना लगाया जाएगा। यदि अंतरधार्मिक विवाह कराया जाता है तो उसकी जानकारी भी विवाह कराने वाले को देनी होगी।यदि अधिकारी को लगता है कि विवाह मतांतरण के लिए कराया गया है तो विवाह अवैध घोषित किया जा सकता है।

1968 में कांग्रेस के बनाए कानून की जगह भाजपा ने नया और वक्त के हिसाब सख्त कानून बनाया है तो कांग्रेस को इसका स्वागत करना था तो उसने विरोध किया और चर्चा का बहिष्कार किया।धर्म व संस्कृति की रक्षा करना सरकार का अहम दायित्व है, इसे साय सरकार ने निभाने का वादा किया था और नया कानून बनाकर अपना वादा पूरा भी किया है। इससे माओवादियों बरसों में जो वर्ग संघर्ष आदिवासी क्षेत्रों में पैदा नहीं कर सके थे वह मतांतरण के कारण पैदा होने लगा था नए कानून से कई क्षेत्रों में जो धर्म के नाम पर विवाद हो रहा था अब उस पर रोक लगेगी।नया कानून राज्य की सामाजिक व सांस्कृतिक समरसता के लिए एक अहम कदम है।इसका उद्देश्य किसी की आस्था पर प्रहार नहीं करना है, बल्कि उस अनैतिक प्रक्रिया को रोकना है जो छल कपट व आर्थिक विषमता का लाभ उठाकर व्यक्ति की मूल पहचान को बदलने का प्रयास करती है।इससे व्यक्तिगत विश्वास तो बदलता है, सामाजिक ताना बाना भी प्रभावित होता है।

ईरान वार पर वार किये जा रहा है मगर खाड़ी देश पलटवार की हिम्मत तक नहीं दिखा पा रहे

नीरज कुमार दुबे

तेल, गैस और बारूद की गंध अब एक साथ हवा में तैर रही है। पश्चिम एशिया में भड़की जंग ने दुनिया को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां हर अगला दिन एक नए खतरे का संकेत दे रहा है। यह सिर्फ दो देशों के बीच का टकराव नहीं रहा, बल्कि पूरी वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को सीधे निशाने पर ले आया है।

देखा जाये तो इजराइल ने जब ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया, तो यह सीधा उस नस पर वार था जिससे पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति चलती है। जवाब में ईरान ने भी देर नहीं की और कतर के रास लफ्फान गैस केंद्र को निशाना बना दिया। यह वही केंद्र है जो दुनिया की कुल गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा संभालता है। यानी अब जंग सिर्फ सीमाओं पर नहीं, बल्कि दुनिया की रसोई और उद्योगों तक पहुंच चुकी है।

तेल बाजार में हाहाकार मच गया। कीमतें अचानक उछलकर एक सौ बीस डॉलर के करीब पहुंच गईं। यह सिर्फ आर्थिक उतार चढ़ाव नहीं था, बल्कि उस डर का इजहार था कि फारस की खाड़ी अब बारूद का ढेर बन चुकी है, जहां से किसी भी वक्त पूरी दुनिया प्रभावित हो सकती है। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अजीब–सा दोहरा रुख अपनाया। एक तरफ उन्होंने कहा कि अमेरिका का इस हमले से कोई लेना देना नहीं, दूसरी तरफ ईरान को खुली चेतावनी दे डाली कि अगर कतर पर दोबारा हमला हुआ तो साउथ पार्स को पूरी तरह तबाह कर दिया जाएगा।

यहीं से कहानी और पेचीदा हो जाती है। अब तक अमेरिका और इजराइल एक ही पाले में नजर आते थे, लेकिन अब दोनों के मकसद अलग अलग दिखने लगे हैं। ट्रंप एक कारोबारी की तरह सोचते हैं, वह ईरान पर दबाव बनाकर उसे अपने हिसाब से झुकाना चाहते हैं। लेकिन इजराइल की मंशा इससे कहीं आगे है, वह ईरानी शासन को पूरी तरह खत्म करना चाहता है। यह दरार अब अमेरिका के भीतर भी दिखने लगी है। ट्रंप के अपने समर्थक सवाल कर रहे हैं कि क्या अमेरिका किसी और की लड़ाई में उलझता जा रहा है।

दूसरी तरफ ईरान ने भी साफ कर दिया है कि अब वह पीछे हटने वाला नहीं है। उसके विदेश मंत्री ने खुले शब्दों में कहा है कि अगर दोबारा उसके ऊर्जा ढांचे पर हमला हुआ तो वह बिना किसी संयम के पूरी ताकत से जवाब देगा। हम आपको बता दें कि ईरान ने सिर्फ कतर ही नहीं, बल्कि सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और बहरीन तक को अपने निशाने पर ले लिया है। मिसाइलें और ड्रोन अब पूरे क्षेत्र में घूम रहे हैं। हर हमला यह संकेत दे रहा है कि जंग अब फैल चुकी है और इसे रोकना आसान नहीं होगा।

खाड़ी देशों की स्थिति सबसे ज्यादा नाजुक हो गई है। एक तरफ वह ईरान की कार्रवाई से नाराज हैं, दूसरी तरफ उन्हें डर है कि अगर वह सीधे युद्ध में उतर गए तो अमेरिका कभी भी पीछे हट सकता है और वह अकेले पड़ जाएंगे। हालांकि सऊदी अरब ने चेतावनी दी है कि जरूरत पड़ी तो वह सैन्य कार्रवाई करेगा। उधर, कतर ने ईरानी अधिकारियों को देश छोड़ने का आदेश दे दिया है। लेकिन इन सबके बीच एक अनकहा डर साफ दिखता है, यानि कोई भी देश पूरी तरह इस आग में कूदने को तैयार नहीं है।

सबसे खतरनाक बात यह है कि अब ऊर्जा खुद एक हथियार बन चुकी है। गैस संयंत्र, तेल क्षेत्र और बंदरगाह अब सैन्य निशाने हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो दुनिया को एक ऐसे ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है जो पहले कभी नहीं देखा गया। यह संकट सिर्फ पेट्रोल या गैस की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा। इसका असर हर घर, हर उद्योग और हर देश पर पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, आपूर्ति टूटेगी और अर्थव्यवस्थाएं हिल जाएंगी। अब सवाल यही है कि क्या इस आग को बुझाने का कोई रास्ता बचा है। सच यह है कि इस समय केवल अमेरिका ही ऐसा देश है जिसके पास दोनों पक्षों को रोकने की ताकत है।

लेकिन क्या ट्रंप ऐसा करना चाहते हैं, यह सबसे बड़ा सवाल है। अगर अमेरिका बिना शर्त इजरायल का साथ देता रहा तो यह संघर्ष पूरी तरह ऊर्जा युद्ध में बदल जाएगा। लेकिन अगर वह दूरी बनाकर किसी समझौते की राह निकालता है, तभी हालात संभल सकते हैं। बहरहाल, एक चीज साफ दिख रही है कि कूटनीति नाकाम होती जा रही है। बातचीत की जगह अब धमाके सुनाई दे रहे हैं। हर देश अपनी ताकत दिखाने में लगा है, लेकिन कोई भी यह नहीं सोच रहा कि इसका अंत कहां होगा। अगर अब भी दुनिया नहीं संभली तो अगला संकट सिर्फ ऊर्जा का नहीं होगा, बल्कि पूरी वैश्विक व्यवस्था को हिला देने वाला होगा। खाड़ी में लगी आग दूर बैठे देशों को भी झुलसा देगी। और तब शायद संभलने का मौका ही नहीं बचेगा।

ईरान से भिलाई का रिश्ता..भंवरे ने खिलाया फूल, फूल को ले गया राजकुंवर

एन.एस. छत्री नेहरू नगर स्थित निवास में लेखक के साथ।

वरिष्ठ पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन के फेसबुक वाल से

इन दिनों खबरों में ईरान छाया हुआ है, लिहाजा हरबे दस्तूर आज ईरान से हम भिलाईवालों के रिश्ते की कुछ बातें। शुरुआत इस कड़ी को जोड़ने वाली शख्सियत से। अजमेर मूल के रहने वाले नरेंद्र सिंह छत्री भिलाई स्टील प्लांट के शुरुआती दौर के इंजीनियर थे और रोलिंग मिल तकनीक के माहिर थे। उन्होंने तत्कालीन सोवियत संघ में उच्च तकनीकी प्रशिक्षण लिया था और बाद के दौर में वे रेल मिल के प्रभारी भी रहे। पिछले साल उनका देहांत हुआ है।

कोरोना काल से ठीक पहले मैनें भिलाई की रेलपांत को लेकर उनसे लंबी बातचीत की थी। तब उन्होंने बताया था कि ईरान से भिलाई के रिश्तों की शुरूआत साल 1967–68 में हुई थी। तब हमारे देश का रेल नेटवर्क विस्तारित हो रहा था लेकिन भिलाई स्टील प्लांट की रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल का उत्पादन भारतीय रेलवे की मांग से कहीं ज्यादा था।

ऐसे में केंद्र सरकार ने भिलाई को रेलपांत के लिए विदेश के बाजार तलाशने की विशेष अनुमति दी थी। तब भिलाई ने ईरान के अलावा जापान, घाना, सूडान और कोरिया सहित विभिन्न देशों में रेलपांत का बाजार तलाशा था। जिसमें काफी हद तक सफलता भी मिली थी।

इस सिलसिले में छत्री ने भिलाई का प्रतिनिधित्व किया था और दो मरतबा ईरान भी गए थे। छत्री ने बताया था कि ईरान से जब रेलपांत आपूर्ति की बात हुई तो उन्होंने अपना अलग स्पेसिफिकेशन बताया था।

हम 13 मीटर मानक की रेलपांत बनाते थे और उन्हे 18 मीटर मानक व तीन सुराख (होल) वाली पटरियां चाहिए थी। तब ईरान के सामने फ्रांस भी था, जो इसी मानक वाली पटरियां देने तैयार था। लेकिन, ईरान ने फ्रांस को पीछे कर भारत को तरजीह दी और इस तरह भिलाई से ईरान के लिए रेलपांत भेजने का सिलसिला शुरू हुआ।

ये तो थी भिलाई के साथ ईरान के रिश्ते की शुरूआत की बात। उस दौर में ईरान के इंजीनियरों ने भिलाई में तकनीकी प्रशिक्षण भी लिया। वहीं ईरानी इंजीनियरों के साथ वॉलीबॉल के मैत्री मैच भी हुए। 80 के दशक तक भिलाई से ईरान को रेलपांत की आपूर्ति नियमित रही।

इसके बाद साल 2014 में फिर एक बार ईरान ने भिलाई का रूख किया था। खुशकिस्मती से तब मुझे ईरान से आए प्रतिनिधमंडल से बातचीत का मौका मिल गया था। खैर, तब ईरानी रेलवे के अफसरों ने भिलाई के साथ–साथ जेएसपीएल रायगढ़ (छत्तीसगढ़) का दौरा भी किया था।

इसके बाद कुछ नए मानक के अनुरुप 3 लाख टन रेल पटरियों का आर्डर ईरान ने दिया था। इसे आधा–आधा बीएसपी और जेएसपीएल में बांटा गया था। तब ईरान ने जैसी रेल पटरियां मांगी थी, उसके लिए भिलाई की रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल में बदलाव की तैयारी की गई थी।

करोड़ों की मशीनें भी मंगाई गई थी। इस खबर पर मैनें तब फॉलोअप भी किया था। लेकिन जिम्मेदार लोगों का अनौपचारिक तौर पर यही कहना था कि भिलाई का फोकस अभी भारतीय रेलवे के आर्डर को पूरा करने पर है।

खैर, अपडेट यही पता चला कि भिलाई अज्ञात वजहों से ईरान का आर्डर पूरा करने से पीछे हट गया। रेल मिल के लिए मंगाई गई करोड़ों की मशीनें आज भी धूल फांक रही है। दूसरी तरफ जेएसपीएल रायगढ़ ने ईरान से मिला आर्डर पूरा कर लिया और आगे भी ईरान से जिंदल को बड़ा आर्डर मिलने की उम्मीदें जताई जा रही है।

कुल मिलाकर हालात फिल्म 'प्रेमरोग' के गीत 'भंवरे ने खिलाया फूल, फूल को ले गया राजकुंवर' जैसे है। छह दशक पहले भिलाई के इंजीनियरों ने लगातार कोशिश कर भिलाई की रेलपांत के लिए विदेशी बाजार तैयार किया था। लेकिन अब हालात दूसरे हैं।

अब भिलाई के सामने प्रतिद्वंदी के तौर पर जेएसपीएल रायगढ़ है। रेलपांत पर भिलाई का एकाधिकार टूट चुका है। भिलाई रेलपांत के लिए विदेशी बाजार भी तलाश रहा है ऐसी खबर अब नहीं सुनाई देती। मान लीजिए कि भिलाई के 'भंवरे' अब शांत हो चुके हैं।

उधर 'राजकुंवर' की वफादारी भी बदल चुकी है। इसका फायदा भी उन्हें मिल रहा है। इस बीच भिलाई के जिम्मेदार अफसरों की आज भी यही दलील है कि उनके पास भारतीय रेलवे का पर्याप्त आर्डर है। ऐसे में एक सार्वजनिक उपक्रम के तौर पर भिलाई का भविष्य कुछ और ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो गया है।

अजीत द्विवेदी

बिहार में नीतीश कुमार युग का अंत

बिहार में नीतीश कुमार युग का अंत हो गया है। इसमें कोई हैरानी या दुख की बात नहीं है। हर नेता का युग आता है और समाप्त होता है। बिहार में ही जैसे लालू प्रसाद का युग खत्म हुआ वैसे ही नीतीश का भी खत्म हुआ। फर्क इतना है कि लालू प्रसाद चुनाव हार कर विदा हुए। बिहार की जनता ने उनको हराया और उनके युग का अंत किया तो दूसरी ओर नीतीश कुमार को बिहार की जनता ने भारी बहुमत से जिताया फिर भी उनकी विदाई हुई और दुर्भाग्य यह है कि नीतीश जैसे बड़े नेता की विदाई उनकी अपनी शर्तों पर नहीं हुई। नीतीश कुमार इससे बेहतर विदाई के हकदार थे। उनका जितना बड़ा राजनीतिक कद रहा और उन्होंने जिस किस्म की राजनीति की उसमें ज्यादा सम्मान के साथ और अपनी शर्तों पर उनकी विदाई होनी चाहिए थी। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के मौजूदा नेतृत्व के दौर में उनका कोई भी सहयोगी नेता सम्मान के साथ विदा होने या अलग होने की नहीं सोच सकता है। बादल परिवार से लेकर चौटाला परिवार और भजनलाल परिवार से लेकर ठाकरे परिवार और नीतीश कुमार तक इसकी मिसाल हैं।

नीतीश की विदाई को लेकर बार बार इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि वे राज्यसभा जा रहे हैं। ऐसा लग रहा है, जैसे राज्यसभा की सीट से मुख्यमंत्री की कुर्सी का मोलभाव हुआ है। यह कितनी बेहूदा बात है! नीतीश कुमार जब चाहते तब राज्यसभा जा सकते थे। इस बार भी अपने विधायकों के दम पर उनको राज्यसभा की दो सीटें मिलेंगी। इसलिए वे किसी की कृपा से राज्यसभा नहीं जा रहे हैं। दूसरी बात यह है कि उन्होंने पिछले 25 साल में अनगिनत लोगों को राज्यसभा भेजा है। ऐसे लोगों को, जो कभी सोच भी नहीं सकते थे उनको नीतीश ने उच्च सदन में पहुंचाया। इसलिए मुख्यमंत्री पद से उनकी विदाई को राज्यसभा से जोड़ ?ी मुखर्तापूर्ण काम है। इसी तरह इस तर्क का भी कोई अर्थ नहीं है कि भाजपा विधानसभा की सबसे बड़ी पार्टी है इसलिए उसका मुख्यमंत्री बनना चाहिए। यह बात पिछली विधानसभा में क्यों नहीं कही गई? पिछली विधानसभा में तो नीतीश कुमार के पास 43 और भाजपा के पास 74 विधायक थे।

तीसरी बात उनकी सेहत की है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनकी सेहत खराब है। वे मानसिक रूप से इस स्थिति में नहीं हैं कि राजनीति और शासन जैसे जटिल काम कर सकें। यह उनकी विदाई का आधार तो बनता है लेकिन ऐसी स्थिति में भी विदाई उनकी शर्तों पर होती। यानी सरकार की कमान उनकी पार्टी के हाथों में होती। अगर उनके चेहरे पर चुनाव लड़ा और जीता गया है तो मुख्यमंत्री तय करने का काम उनको करना चाहिए था। वह काम भारतीय जनता पार्टी कर रही है। इसी से पता चल रहा है कि इस पूरे प्रकरण में नीतीश कुमार के हाथ में कुछ भी नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जो पोस्ट लिखी है उसमें उनकी दयनीयता और झलक रही है। उन्होंने लिखा है कि वे चारों सदनों का सदस्य रहना चाहते थे इसलिए राज्यसभा जा रहे हैं। सोचें, बिहार में उपेंद्र कुशवाहा और नागमणि जैसे नेता चारों सदनों के सदस्य रहे हैं। क्या यह नीतीश कुमार जैसे नेता के कद के अनुरूप है कि वे ऐसी लचर दलील के साथ विदा हों?

असल में उनकी विदाई की पटकथा 14 नवंबर 2025 को आए नतीजों ने लिख दी थी। बिहार विधानसभा का आंकड़ा ऐसा बना, जिसने नीतीश की स्थिति को कमजोर कर दिया। इसकी शुरुआत सीटों के बंटवारे के समय हो गई थी। पहले जनता दल यू हमेशा बड़े भाई की तरह चुनाव लड़ती थी। विधानसभा चुनाव में उसकी सीटों की संख्या ज्यादा होती थी। इस बार जदयू को भाजपा की बराबरी पर लाया गया। उसके बाद तीन सहयोगी पार्टियों को 43 सीटें दी गईं। उसी समय यह स्पष्ट हो गया कि सहयोगियों के साथ भाजपा 143 और जदयू एक सौ सीटों पर लड़ रही है।

चुनाव नतीजों में भाजपा और तीन सहयोगी पार्टियों को मिल कर 117 सीटें आ गईं यानी बहुमत से सिर्फ पांच कम। दूसरी ओर मुख्य विपक्षी पार्टी राजद की सीटें बहुत कम हो गईं। राजद को सिर्फ 25 और समूचे विपक्षी गठबंधन को 35 सीटें मिलीं। उसी समय नीतीश कुमार की विदाई तय हो गई थी, सिर्फ समय का इंतजार हो रहा था। असल में 2020 में नीतीश कुमार सिर्फ 43 सीटें जीत कर जितने मजबूत थे, 2025 में 85 सीटें जीत कर उतने ही कमजोर हो गए। 2020 में राजद 75 सीट वाली पार्टी थी और कांग्रेस व लेफ्ट की 32 सीटें थीं। सो, भाजपा की कभी नीतीश को आंख दिखाने की हिम्मत नहीं हुई। नीतीश ने अपनी मर्जी से भाजपा का साथ छोड़ कर राजद के साथ सरकार बनाई और फिर भाजपा के साथ भी मुख्यमंत्री बन कर लौटे। इस विधानसभा में वैसी स्थिति नहीं है। एक तो भाजपा इतिहास में पहली बार चुनाव जीत कर सबसे बड़ी पार्टी बनी और दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन पूरी तरह से समाप्त हो गया।

इसके बावजूद अगर नीतीश कुमार की मानसिक और शारीरिक स्थिति अच्छी होती तो वे अपने हिसाब से बिहार की राजनीति को संचालित कर सकते थे। क्योंकि उनके पास लोकसभा में 12 सांसद हैं, जिनकी नरेंद्र मोदी सरकार को जरुरत है। लेकिन नीतीश कुमार इसके दम पर भी मोलभाव नहीं कर पाए क्योंकि उनका अपना स्वास्थ्य ठीक नहीं है और उन्होंने इस काम के लिए अपनी पार्टी के जिन लोगों पर भरोसा किया वो उनकी कसौटियों पर खरे नहीं उतरे। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह और पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की जिम्मेदारी थी कि वे नीतीश कुमार और जनता दल यू के हितों की रक्षा करें। इस काम में दोनों बुरी तरह से विफल हुए हैं।

यह सही है कि नीतीश कुमार की सेहत ठीक नहीं है और वे राजनीति व सरकार की जटिल कार्यप्रणाली को संभालने की स्थिति में नहीं हैं। लेकिन अगर उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता ईमानदार होते तो नीतीश कुमार की विदाई के बाद भी जनता दल यू का ही मुख्यमंत्री बनता। अभी वैसा होता नहीं दिख रहा है। ध्यान रहे जनता दल यू ने पिछला चुनाव '2025 से 30 फिर से नीतीशे के नारे पर लड़ा था। इसलिए अगर सेहत के आधार पर नीतीश हटते हैं तो उनकी पसंद से उनकी पार्टी का कोई दूसरा नेता मुख्यमंत्री बनता तो इसे स्वाभाविक माना जाता। तभी सत्ता का हस्तांतरण स्वाभाविक नहीं है। इसलिए भाजपा को बहुत सोच समझ कर आगे बढ ?ी होगा। उसे राजनीतिक और सामाजिक दोनों संतुलन बनाने पर ध्यान देना होगा।

बहरहाल, आने वाले दिनों में लंबे समय तक नीतीश कुमार के राजनीतिक योगदान की चर्चा होगी और बिहार के विकास या बदलाव में बतौर मुख्यमंत्री उनकी जो भूमिका रही उसकी भी चर्चा होगी। परंतु साथ ही यह बात भी इतिहास में दर्ज होगी कि इतने बड़े नेता के साथ अंत में कैसा बरताव हुआ। इतिहास इस बात को भी याद रखेगा कि जीवन भर परिवारवाद, वंशवाद और भ्रष्टाचार से दूर रहे एक नेता को उसकी सहयोगी पार्टी ने कैसे विदा किया। अब बिहार की राजनीति बुनियादी रूप से बदलेगी। विचारधारा के स्तर पर भी टकराव बढ़ेगा और सामाजिक स्तर भी संघर्ष की स्थितियां बनेंगी। यह सबक भी याद रखा जाएगा कि सहयोगी व सलाहकार कैसे चुना जाना चाहिए। ध्यान रहे बिहार का इतिहास विश्वासघात और भक्ति दोनों का नहीं रहा है। बिहार का इतिहास प्रतिरोध का रहा है।

राजकुमार राव की अगली फिल्म का हुआ ऐलान

राजकुमार राव आखिरी बार फिल्म 'मालिक' में खूंखार लुक में नजर आए थे। अब उनकी आने वाली फिल्म अनाउंसमेंट हो गई है। एक्टर और मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी शेयर की।

कीर्ति सुरेश होंगी फीमेल लीड

राजकुमार राव अगली फिल्म 'रफ्तार' में नजर आएंगे। उनके साथ साउथ की जानी-मानी एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश लीड रोल में होंगी। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य निंबालकर कर रहे हैं, जबकि इसे राजकुमार राव की पत्नी पत्रलेखा अपने बैनर कम्पा फिल्म के तहत प्रोड्यूस कर रही हैं।

फिल्म की कहानी

फिल्म की कहानी तेजी से बढ़ती स्टार्टअप की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें एक ऐसे लड़के और लड़की की कहानी दिखाई जाएगी जो सफलता पाने के लिए बहुत महत्वाकांक्षी हैं। जैसे-जैसे पैसा, ताकत और लालच बढ़ता है, वैसे-वैसे उनके रिश्ते की भी परीक्षा होने लगती है। बताया जा रहा है कि फिल्म भारत के कॉमर्शियल एजुकेशन सिस्टम पर एक सटायर भी है, जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे कई बार ज्ञान से ज्यादा मुनाफे को अहमियत दी जाती है। कहानी यह सवाल भी उठाती है कि सफलता पाने की कीमत क्या होती है और क्या वह कीमत सच में सही है।

जैसे ही पोस्ट शेयर की गई, उसके बाद से ही फैंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है। फिल्म के नाम को देखकर लोग कयास लगा रहे हैं कि ये रैपर रफ्तार की बायोपिक है, और लोग बड़े उत्साह से कमेंट में रैपर रफ्तार की तारीफें कर रहे हैं। हालांकि अभी ऐसी कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है, जिसमें ऐसा जिक्र किया गया हो कि ये मूवी रैपर रफ्तार की जिंदगी पर आधारित होगी।

कब रिलीज होगी मूवी?

इस फिल्म में राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश के अलावा तान्या मानिकतला, रजत कपूर, अनुराग ठाकुर और रोहन वर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

निकिता दत्ता ने जुबीन नौटियाल से शादी की खबरों पर की बात

मुझे अफवाहें फैलाना पसंद नहीं

कई सेलेब्रिटीज के बाद अब अभिनेत्री निकिता दत्ता ने भी इंडस्ट्री में होने वाले पीआर गेम पर बात की। साथ ही उन्होंने सुर्खियां बटोरने के लिए फैलाई जाने वाली अफवाहों की खुलकर आलोचना की। इस दौरान एक्ट्रेस ने सिंगर जुबीन नौटियाल के साथ अपने रिलेशनशिप और शादी की खबरों पर भी प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री का कहना है कि वह अनजाने में भी अफवाहों का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं।

देर से आई पीआर के बारे में समझ

बातचीत के दौरान निकिता ने जुबीन नौटियाल के साथ अपनी शादी की अफवाहों पर कहा कि पीआर के बारे में मेरी समझ की बात करें, तो बेशक यह बहुत देर से आई। यह एक ऐसी बात है, जिसका मुझे अफसोस है और काश कबीर सिंह के रिलीज होने के समय मुझे इस बात की थोड़ी बेहतर जानकारी होती कि चीजें कैसे काम करती हैं। दूसरी बात अगर आप इन सभी वर्षों में मेरे करियर को देखें, तो मैंने व्यक्तिगत और निजी जीवन के बीच एक सीमा बनाए रखी है। इस सीमा को मैंने कभी पार नहीं किया है। आपने मेरे बारे में कभी भी मनगढ़ंत अफवाहें नहीं सुनी होंगी। मैं वैसी इंसान नहीं हूं। मैं न तो ऐसी अफवाहें फैलाना पसंद करती हूं और न ही उनका हिस्सा बनना, चाहे अनजाने में ही क्यों न हो। मैं ऐसी चीजों का समर्थन नहीं करती। मार्केटिंग स्ट्रेटजी के बारे में एक्ट्रेस ने कहा कि यह प्रोडक्शन हाउस का निर्णय होता है।

ऐसे शुरू हुई जुबीन और निकिता के रिलेशनशिप की खबरें

बीते दिनों निकिता को जुबीन नौटियाल के साथ सिंगर के होम टाउन में देखा गया था। इसके बाद ही दोनों के रिलेशनशिप में होने की चर्चाएं सामने आई थीं। इसके अलावा मुंबई के कैफे में भी दोनों को साथ देखा गया और अभिनेत्री को 2022 में एयरपोर्ट पर उन्हें लेने जाते हुए भी देखा गया था। इसके बाद ऐसी चर्चाएं तेज हो गईं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और जल्द ही शादी भी कर सकते हैं। हालांकि, अब निकिता ने साफ तौर पर तो शादी के सवाल पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन उन्होंने अफवाहों और पीआर गेम की बात करते हुए इशारों में इसे गप्प बता दिया।

ऐसा रहा निकिता का करियर

वर्कफ्रंट की बात करें तो निकिता ने 2014 में बॉलीवुड फिल्म 'लेकर हम दीवाना दिल' से अभिनय की शुरुआत की। फिल्मों के अलावा, उन्होंने 'ड्रीम गर्ल - एक लड़की दीवानी सी' से टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा। वह 'खाकी: द बिहार चैप्टर' और 'द वेकिंग ऑफ अ नेशन' जैसे कुछ ओटीटी प्रोजेक्ट्स में भी नजर आ चुकी हैं। निकिता आखिरी बार पिछले साल आई नेटफ्लिक्स की फिल्म 'ज्वेल थीफ' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ सैफ अली खान और जयदीप अहलावत भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे।

सलमान खान की फिल्म का बदला नाम, अब 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' के नाम से होगी रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान पिछले कुछ समय से अपनी आने वाली फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर लगातार चर्चा में हैं। इस फिल्म की कहानी भारत और चीन के बीच हुए गलवान घाटी के घटनाक्रम से प्रेरित बताई जा रही है। लेकिन अब इस फिल्म को लेकर एक नया और बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल, फिल्म के मेकर्स ने रिलीज से पहले इसका नाम बदल दिया है, जिससे फैंस के बीच फिर से चर्चा तेज हो गई है। दरअसल, सोमवार को सलमान खान की प्रोडक्शन कंपनी सलमान खान फिल्म्स ने आधिकारिक तौर पर इस फिल्म के नए नाम की घोषणा की। अब यह फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' के नाम से रिलीज होगी। पहले इस प्रोजेक्ट को 'बैटल ऑफ गलवां' के नाम से जाना जा रहा था। नाम बदलने के साथ ही मेकर्स ने फिल्म का एक नया पोस्टर भी जारी किया, जिसने सोशल मीडिया पर आते ही लोगों का ध्यान खींच लिया। इस पोस्टर में सलमान खान बेहद अलग और गंभीर नजर आ रहे हैं। उनके चेहरे पर खून और जख्म साफ दिखाई दे रहे हैं। उनके माथे पर गहरी चोट है और चेहरा धूल-मिट्टी से भरा हुआ है। उनकी आंखों में गुस्सा और दर्द का मिला-जुला भाव है। पोस्टर में सबसे ध्यान खींचने वाला हिस्सा एक ऐसा हथियार है जिसे वह अपने हाथ से रोकते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस हथियार के ऊपर कांटेदार तार लिपटा हुआ है और उस पर खून के निशान भी दिखाई देते हैं। वहीं, बैकग्राउंड को धुएं और धूल से भरा हुआ दिखाया गया है; इसमें कुछ सैनिक हथियार के साथ दौड़ते नजर आ रहे हैं।

इस पोस्टर का माहौल युद्ध जैसा महसूस होता है। सलमान खान ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस', यानी युद्ध का अंत हो और शांति कायम रहे। फिल्म में सलमान खान कर्नल संतोष बाबू की भूमिका निभाते नजर आएंगे, जो 16 बिहार रेजिमेंट का नेतृत्व करते हुए लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर स्थिति संभालते हैं। वहीं उनके साथ अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा, अभिनेता अभिलाष चौधरी और अंकुर भाटिया भी फिल्म में अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बॉलीवुड में 'फेक मूवीज' पर कसा तंज

एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी, जिन्हें आखिरी बार नेटफ्लिक्स की क्राइम थ्रिलर 'रात अकेली है: बंसल मर्डर्स' में देखा गया था, उन्होंने एक इवेंट में बॉलीवुड पर 'फेक फिल्में' बनाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि सच्चाई जानते हुए, उसके बारे में कोई बोलता नहीं है। लेकिन उस पर फिल्में बनाई जा रही हैं। इस पर लोगों को लग रहा है कि एक्टर ने 'धुरंधर' और 'द केरल स्टोरी' जैसी फिल्मों को निशाना बनाया है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने एक इवेंट में हिस्सा लिया और वहां पर उनसे ईरान-इजराइल युद्ध के बारे में पूछा गया कि मौजूदा हालात को देखते हुए और जिस तरह से फिल्में ऐसे विषयों को स्क्रीन पर ला रही हैं, तो क्या फिल्ममेकर्स के पास भी समाज को गाइड करने की जिम्मेदारी होती है तो एक्टर ने जवाब दिया, 'समाज को गलत दिखा में ले जाने की जरूरत नहीं है। सच्चाई बहुत इम्पॉर्टेंट है और सच्चाई हर इंसान आज की डेट में जानता है। जिस तरह की फिल्में बन रही हैं, उनके पीछे की सच्चाई क्या है, आप जानते हैं लेकिन आप बोलेंगे नहीं।'

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बॉलीवुड पर लगाया आरोप

जब उनसे नैरेटिव-बेस्ड फिल्मों के बारे में पूछा गया तो वह बोले, 'झूठी फिल्में बन रही हैं हमारे यहां। फेक फिल्में बन रही हैं। ये सब जानते हैं। दुनिया में क्या हो रहा है। सब जानते हैं। असली सच्चाई क्या है। ये भी सब जानते हैं।' जब एक्टर से पूछा गया कि क्या वह मौजूदा युद्ध के बारे में अपडेटस पढ़ रहे हैं तो उन्होंने कहा कि हर कोई इस बारे में जानकारी हासिल कर रहा है। वह बोले, 'क्या झूठ फैलाया जा रहा है और क्या नैरेटिव सेट किया जा रहा है, सब इसके बारे में जानते हैं।'

26 साल बाद दिखेगी शिल्पा शेट्टी और जैकी की जोड़ी

बॉलीवुड के दो लोकप्रिय सितारे शिल्पा शेट्टी और जैकी श्रॉफ एक बार फिर साथ काम करने जा रहे हैं। करीब 26 साल बाद दोनों की जोड़ी परदे पर वापसी कर रही है। यह नई शुरुआत प्राइम वीडियो की एक वेब सीरीज के जरिए होगी। सूत्रों के अनुसार... यह 8 एपिसोड की 'स्लाइस-ऑफ-लाइफ' ड्रामा सीरीज होगी। कहानी शहरी रिश्तों और जिंदगी में मिलने वाले दूसरे मौकों पर आधारित होगी। निर्माता इस शो को भावनात्मक और असल जिंदगी के करीब बनाने की तैयारी में हैं, ताकि दर्शक इससे खुद को जोड़ सकें। सीरीज की स्क्रिप्ट फाइनल हो चुकी है। फिलहाल प्रोडक्शन टीम मुंबई और पुणे में शूटिंग के लिए लोकेशन तलाश रही है। अगर सब कुछ तय योजना के अनुसार रहा तो मार्च से शूटिंग शुरू हो जाएगी। बताया जा रहा है कि शूटिंग का शेड्यूल करीब 60 दिनों का होगा।'

मैं एक्टर्स से फिल्म के लिए भीख नहीं मांगता

कार्तिक आर्यन ने ठुकराई थी 'हंगामा-2'

वेटरन फिल्ममेकर प्रियदर्शन ने अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ काम करने को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि एक समय उन्होंने अपनी फिल्म हंगामा-2 के लिए कार्तिक आर्यन को अप्रोच किया था, लेकिन एक्टर ने फिल्म करने से मना कर दिया था। इस पर प्रियदर्शन ने कहा कि उन्हें किसी भी अभिनेता से काम के लिए भीख मांगना पसंद नहीं है। इंटरव्यू में प्रियदर्शन ने कहा कि कई बार अभिनेता सीधे मना नहीं करते, बल्कि सम्मानपूर्वक बात करके प्रोजेक्ट से दूरी बना लेते हैं। उनके मुताबिक, अगर किसी कलाकार को निर्देशक या स्क्रिप्ट पर भरोसा नहीं है तो वह जबरदस्ती उसे मनाने में विश्वास नहीं रखते। उन्होंने साफ कहा, 'मैं किसी भी अभिनेता से फिल्म करने के लिए भीख नहीं मांगता। जो मेरे काम पर भरोसा करता है, मैं उसी के साथ काम करता हूं।

कार्तिक समेत इन स्टार्स ने ठुकराई थी फिल्म

प्रियदर्शन ने खुलासा किया कि हंगामा-2 का कॉन्सेप्ट सिर्फ कार्तिक आर्यन को ही नहीं, बल्कि आयुष्मान खुराना और सिद्धार्थ मल्होत्रा को भी सुनाया गया था। हालांकि तीनों कलाकारों ने यह फिल्म करने से मना कर दिया। इसके बाद प्रियदर्शन ने फिल्म में मिजान जाफरी को लीड रोल में लेकर प्रोजेक्ट पूरा किया। दर्शक का मानना है कि कई बार कलाकार स्क्रिप्ट या निर्देशक पर भरोसा नहीं कर पाते, इसलिए प्रोजेक्ट से दूर हो जाते हैं। लेकिन वह इस बात को व्यक्तिगत रूप से नहीं लेते और नए कलाकारों के साथ काम करने को तैयार रहते हैं।

स्क्रिप्ट के बाद तय करते हैं कास्ट

प्रियदर्शन ने कहा कि वह कभी भी किसी खास अभिनेता को ध्यान में रखकर फिल्म नहीं लिखते। पहले पूरी कहानी और किरदार तैयार करते हैं, उसके बाद तय करते हैं कि कौन-सा कलाकार उस रोल के लिए सबसे फिट रहेगा। उनके मुताबिक, अगर कोई स्टार फिल्म करने से मना कर देता है तो यह इंडस्ट्री का सामान्य हिस्सा है। निर्देशक के तौर पर उनका काम अच्छी कहानी बनाना है, न कि कलाकारों के पीछे भागना।

जल्द रिलीज होगी 'भूत बंगला'

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियदर्शन इन दिनों अपनी नई हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार लीड रोल में नजर आएंगे और यह फिल्म 10 अप्रैल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। करीब 14 साल बाद अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी एक साथ लौट रही है। फिल्म में कॉमेडी के साथ हॉरर का तड़का देखने को मिलेगा और दर्शकों को इससे काफी उम्मीदें हैं। प्रियदर्शन हिंदी सिनेमा के सबसे सफल कॉमेडी डायरेक्टर्स में गिने जाते हैं। उन्होंने हेरा फेरी, हंगामा, चुप चुप के और भूल भुलैया जैसी कई लोकप्रिय फिल्में बनाई हैं।

हिंदू नववर्ष

हिंदू नववर्ष पर जरूर निभाएं ये शुभ परंपराएं

गुड़ी पड़वा की शुरुआत चैत्र प्रतिपदा से होती है और इसी दिन से चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ भी हो जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार इस बार नववर्ष का प्रारंभ 19 मार्च को हो रहा है। इसे विक्रम संवत भी कहते हैं, जो प्राचीन हिन्दू पंचांग और कैलेंडर पर आधारित है। राजा विक्रमादित्य ने खगोलविदों की मदद से इसे व्यवस्थित करके प्रचलित किया था। इसे नवसंवत्सर भी कहते हैं। आओ जानते हैं इसकी 5 शुभ परंपराएं।

घर की सजावट

सूर्योदय से पूर्व उठकर घर की साफ सफाई करने के बाद घर को तोरण, मांडना या रंगोली आदि से सजाया जाता है। इस दिन नव संवत्सर का पूजन, नवरात्र घटस्थापना, ध्वजारोपण आदि विधि-विधान किए जाते हैं। प्रत्येक राज्य में इस पर्व को वहां की स्थानीय संस्कृति और परंपरा के अनुसार मनाते हैं।

ध्वजा लहराना और गुड़ी लगाना

लोग प्रातः जल्दी उठकर शरीर पर तेल लगाने के बाद स्नान करते हैं। स्नान आदि से निवृत होने के बाद मराठी समाज गुड़ी को बनाकर उसकी पूजा करके घर के द्वारा पर ऊंचे स्थान पर उसे स्थापित करते हैं, जबकि अन्य समाज के लोग धर्म ध्वजा को मकान के ऊपर लहराते हैं। गुड़ी पड़वा दो शब्दों से मिलकर बना हैं। जिसमें गुड़ी का अर्थ होता हैं विजय पताका और पड़वा का मतलब होता है प्रतिपदा। इस दिन सभी हिन्दू अपने घरों पर भगवा ध्वज लहराकर उसकी पूजा करते हैं। इस कार्य को विधि पूर्वक किया जाता है जिसमें किसी भी प्रकार की गलती नहीं करना चाहिए।

पारंपरिक व्यंजन

इस दिन श्रीखंड का सेवन करके ही दिन की शुरुआत करते हैं। इसी के साथ घर आए मेहमानों को श्रीखंड खिलाया जाता है और श्रीखंड का वितरण भी किया जाता है। ऐसा करना बहुत शुभ माना जाता है। इसी के साथ इस दिन पारंपरिक व्यंजन तैयार किए जाते हैं जैसे पूरन पोली, पुरी और मीठे चावल जिन्हें लोकप्रिय रूप से सक्कर भात कहा जाता हैं। हर प्रांत के अपने अलग व्यंजन होते हैं।

जुलूस का आयोजन और मिलन समारोह

इस दिन जुलूस का आयोजन भी होता है। लोग लोग नए पीले परिधानों में तैयार होते हैं और एक दूसरे से मिलकर नव वर्ष की बधाई देते हैं। लोग अपने दोस्तों और परिवार के साथ उत्सव का आनंद लेते हैं और सड़क पर जुलूस का हिस्सा बनते हैं।

अन्य परंपराएं

इस दिन कड़वे नीम का सेवन आरोग्य के लिए अच्छा माना जाता है। इस दिन कोई अच्छा कार्य किया जाता है। जैसे प्याऊ लगाना, ब्राह्मणों या गायों को भोजन कराना। इस दिन बहिखाते नए किए जाते हैं। इस दिन से दो दिन के लिए दुर्गा सप्तशति का पाठ या राम विजय प्रकरण का पाठ की शुरुआत की जाती है। इस दिन नए संकल्प लिए जाते हैं। इस दिन किसी योग्य ब्राह्मण से पंचांग का भविष्यफल सुना जाता है। इस दिन हनुमान पूजा, दुर्गा पूजा, श्रीराम, विष्णु पूजा, श्री लक्ष्मी पूजा और सूर्य पूजा विशेष तौर पर की जाती है।

गुड़ी पड़वा के पीछे का मिथक

गुड़ी पड़वा को लेकर कई कहानियां और पौराणिक संदर्भ हैं। पवित्र हिंदू ग्रंथों में से एक, ब्रह्म पुराण में, यह उल्लेख किया गया है कि भगवान ब्रह्मा ने एक प्राकृतिक आपदा के बाद दुनिया को फिर से बनाया, जिससे सभी लोग मर गए और समय रुक गया। इस दिन, ब्रह्मा के प्रयास के बाद, समय फिर से शुरू हुआ और न्याय और सत्य का युग शुरू हुआ। इसी कारण से इस दिन भगवान ब्रह्मा की पूजा की जाती है। एक अन्य कहानी में कहा गया है कि भगवान राम 14 वर्ष का वनवास बिताने के बाद सीता और लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे। यह दिन भगवान राम की रावण पर विजय का जश्न मनाता है। इसलिए, गुड़ी या ब्रह्मा का झंडा घरों में फहराया जाता है जैसे कि राम की रावण पर जीत के बाद विजय ध्वज के रूप में इसे अयोध्या में फहराया गया था। हालाँकि, गुड़ी का एक और ऐतिहासिक महत्व है। इतिहास गवाह है कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने मुगलों को हराया और राज्य के लोगों को मुगल शासन से मुक्त कराया। यह एक प्रमुख कारण है कि महाराष्ट्र के लोग इस दिन गुड़ी फहराते हैं। ऐसा माना जाता है कि झंडा किसी भी प्रकार की बुराई को घरों के परिसर में प्रवेश करने से रोकता है।

चैत्र नवरात्रि 2026

घटस्थापना का शुभ मुहूर्त, कलश स्थापना विधि और कन्या पूजन का महत्व

हिंदू धर्म में नवरात्रि का पर्व शक्ति और साधना का अनुपम संगम है। वर्ष में नवरात्रि का पर्व चार बार आता है, जिनमें चैत्र मास की नवरात्रि विशेष आध्यात्मिक महत्व रखती है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से प्रारंभ होने वाली यह नवरात्रि नव संवत्सर का भी आरंभ मानी जाती है। इसी दिन से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और भक्तजन नौ दिनों तक माँ दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की उपासना करते हैं।

कब से प्रारंभ हो रही है चैत्र नवरात्रि

पंचांग के अनुसार इस वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि 19 मार्च प्रातः 06 बजकर 52 मिनट से आरंभ होकर 20 मार्च प्रातः 04 बजकर 52 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार नवरात्रि का शुभारंभ 19 मार्च से होगा। नौ दिनों तक चलने वाले इस पावन पर्व का समापन 27 मार्च को रामनवमी के दिन होगा। चैत्र नवरात्रि माँ अम्बे की भक्ति के साथ ही संयम और साधना का महापर्व है। इन दिनों में की गई उपासना और जप-तप कई गुना फलदायी मानी जाती है।

घटस्थापना का शुभ मूहूर्त

नवरात्रि के त्यौहार का पहला दिन घटस्थापना या कलश स्थापना के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इसी के साथ नौ दिवसीय पूजा का आरंभ होता है। इस वर्ष घटस्थापना के लिए प्रातः 06:52 बजे से 07:43 बजे तक का समय विशेष शुभ रहेगा। इसके अतिरिक्त दोपहर के अभिजीत मूहूर्त में 12:05 बजे से 12:53 बजे तक भी कलश स्थापना की जा सकती है। शास्त्रों के अनुसार शुभ मुहूर्त में विधिपूर्वक स्थापित किया गया कलश घर में सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करता है।

कलश स्थापना और पूजन विधि

- नवरात्रि के प्रथम दिन प्रातः ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। पूजा स्थल को गंगाजल से शुद्ध कर लाल वस्त्र बिछाएं। इसके पश्चात माँ दुर्गा की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें।
- अब एक मिट्टी के पात्र में स्वच्छ मिट्टी भरकर उसमें जौ बोएं। यह जौ समृद्धि और उन्नति का प्रतीक माना जाता है। फिर एक तांबे या मिट्टी के कलश में जल भरें और उसमें सुपारी, सिक्का तथा अक्षत डालें। कलश के मुख पर आम के पत्ते रखें और नारियल को लाल वस्त्र में लपेटकर स्थापित करें।
- इस कलश को देवी की चौकी के समीप स्थापित करें। इसके बाद अखंड ज्योति प्रज्वलित करें, जो पूरे नौ दिनों तक निरंतर जलती रहे। यदि अखंड ज्योति संभव न हो, तो प्रतिदिन पूजा के समय दीपक अवश्य जलाएं।
- पूजन के समय 'ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे' मंत्र का श्रद्धापूर्वक जप करें। साथ ही दुर्गा सप्तशती का पाठ करें और अंत में आरती के साथ पूजा संपन्न करें।

माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की उपासना

- नवरात्रि के नौ दिनों में माँ के नौ स्वरूपों की आराधना की जाती है।
- प्रथम दिन माँ शैलपुत्री की पूजा से स्थिरता और शक्ति प्राप्त होती है।
- द्वितीय दिन माँ ब्रह्मचारिणी की आराधना आत्मसंयम और तप की प्रेरणा देती है।
- तृतीय दिन माँ चंद्रघंटा की उपासना से भय दूर होता है और साहस बढ़ता है।
- चतुर्थ दिन माँ कूष्मांडा की कृपा से ज्ञान और समृद्धि प्राप्त होती है।
- पंचम दिन माँ स्कंदमाता की पूजा से संतान सुख और मातृत्व का आशीर्वाद मिलता है।
- षष्ठम दिन माँ कात्यायनी विवाह संबंधी बाधाओं को दूर करती हैं।
- सप्तम दिन माँ कालरात्रि नकारात्मक शक्तियों से रक्षा करती हैं।
- अष्टम दिन माँ महागौरी की पूजा से जीवन में शुद्धता और शांति आती है।
- नवमी के दिन माँ सिद्धिदात्री सभी सिद्धियों और पूर्णता का आशीर्वाद देती हैं।

अष्टमी और नवमी का महत्व

नवरात्रि की अष्टमी और महानवमी तिथि विशेष फलदायी मानी जाती है। इन दिनों कन्या पूजन की परंपरा है, जिसमें छोटी कन्याओं को देवी का स्वरूप मानकर उनका पूजन किया जाता है। उन्हें घर आमंत्रित कर भोजन, वस्त्र और दक्षिणा अर्पित की जाती है।

नवरात्रि में दान का महत्व

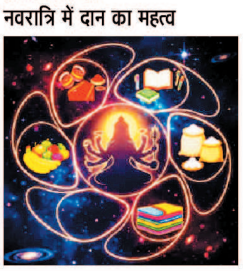

नवरात्रि साधना के साथ-साथ सेवा का भी पर्व है। शास्त्रों में कहा गया है कि इन नौ दिनों में किया गया दान माँ के आशीर्वाद के साथ पुण्य फल प्रदान करता है। जरूरतमंदों को दिया गया दान माँ दुर्गा की सच्ची आराधना मानी जाती है। विशेष रूप से कन्याओं, असहायों और दिव्यांगजनों की सहायता करना अत्यंत पुण्यकारी माना गया है। सेवा भाव से किया गया दान न केवल समाज को सशक्त बनाता है, बल्कि साधक के जीवन में भी सुख-समृद्धि का मार्ग खोलता है।

नवरात्रि आत्मशुद्धि का पर्व

चैत्र नवरात्रि आध्यात्मिक उन्नति का श्रेष्ठ अवसर है। जब हम सच्चे मन से माँ की शरण में जाते हैं, तो हमारे जीवन की नकारात्मकता स्वतः समाप्त होने लगती है। इन नौ दिनों में संयम, उपवास, जप और ध्यान से आत्मा का शुद्धिकरण होता है। माँ दुर्गा की कृपा से जीवन में नई ऊर्जा, साहस और सकारात्मकता का संचार होता है। इस पावन अवसर पर हम सभी श्रद्धा और विश्वास के साथ माँ दुर्गा का आह्वान करें और उनके चरणों में अपनी भक्ति अर्पित करें

या देवी सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

माँ जगदंबा सभी को सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करें।

दुर्गा सप्तशती पाठ का आध्यात्मिक महत्व

दुर्गा सप्तशती का पाठ माँ अम्बे की कृपा प्राप्त करने का सर्वोत्तम साधन माना गया है। यह पाठ मानसिक शक्ति को बढ़ाता है और भय, बाधाओं तथा नकारात्मक ऊर्जा से रक्षा करता है। नियमित पाठ से साधक के जीवन में आत्मविश्वास बढ़ता है और शत्रु बाधाएं दूर होती हैं। ऐसा माना जाता है कि यह पाठ रोगों से रक्षा करता है तथा मन को शांति प्रदान करता है। जो भक्त श्रद्धा और विश्वास के साथ इसका पाठ करता है, उसके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन अवश्य आते हैं।

गुड़ी पड़वा का पर्व बेहद शुभ माना जाता है। इस साल यह 19 मार्च को मनाया जाएगा। यह दिन मराठी लोगों के नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है। इस पर्व को युगादी चेती चंड और नव संवत्सर उगादी जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। इस शुभ अवसर पर महिलाएं अपने घरों को सुंदर गुड़ी से सजाती हैं जो शुभ शुरुआत को दर्शाता है।

क्यों खास है गुड़ी पड़वा

गुड़ी पड़वा महाराष्ट्र का एक महत्वपूर्ण पर्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार, यह चैत्र महीने के पहले दिन मनाया जाता है। यह मराठी लोगों के नव वर्ष की शुरुआत का भी प्रतीक है। इस दिन मराठी समुदाय के लोग अपने घरों के बाहर समृद्धि के प्रतीक गुड़ी को लगाते हैं और पूजा करके गुड़ी पड़वा मनाते हैं। ऐसा माना जाता है कि यह परंपरा पूरे साल खुशियां, सफलता और समृद्धि लाती है। इस साल गुड़ी पड़वा 19 मार्च को मनाया जाएगा। यह हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत 2083 और शुभ चैत्र नवरात्रि की शुरुआत के साथ भी मेल खाता है। युगादी, चेती चंड और नव संवत्सर उगादी जैसे विभिन्न नामों से जाना जाने वाला यह पर्व चैत्र प्रतिपदा उत्सव की शुरुआत का प्रतीक है।

गुड़ी पड़वा का अर्थ

गुड़ी का मतलब है ध्वज यानी झंडा और प्रतिपदा तिथि को पड़वा कहा जाता है। यह रबी फसलों की कटाई का प्रतीक है। ऐसा कहा जाता यही वह दिन है, जब भगवान ब्रह्मा ने ब्रह्मांड के निर्माण की शुरुआत की थी। यह दिन महाराष्ट्र में बड़ी भव्यता और दिव्यता के साथ मनाया जाता है।

छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़ा है गुड़ी पड़वा का पर्व

महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा का पर्व मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज की जीत के रूप में मनाया जाता है। इसे लोग विजय ध्वज के समान अपने घरों के बाहर फहराते हैं। यह पर्व हिंदू विजय और समृद्धि का प्रतीक है। क्यों खास है गुड़ी पड़वा का पर्व महिलाएं स्नान के बाद अपने घरों को सुंदर गुड़ी से सजाती हैं, जो शुभ शुरुआत को दर्शाता है। गुड़ी को पारंपरिक रूप से एक बांस की छड़ी का उपयोग करके तैयार किया जाता है, जिसके ऊपर एक उल्टा चांदी, तांबा या पीतल का बर्तन रखा जाता है। इसके बाद केसरिया रंग के कपड़े, नीम या आम के पत्तों और फूलों से सजाकर इसे घर के सबसे ऊंचे स्थान पर लगाया जाता है। इसके अलावा लोग अपने प्रवेश द्वारों को रंगीन रंगोलियों से सजाते हैं, और प्रसाद के रूप में पूरन पोली और श्रीखंड जैसे विशेष व्यंजन तैयार करते हैं।

ध्वज के बिना अधूरा है गुड़ी पड़वा का त्योहार

हिंदी कैलेंडर के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से हिंदू नववर्ष की शुरुआत मानी जाती है। ऐसे में साल 2026 में 19 मार्च से हिंदू नववर्ष की शुरुआत होने जा रही है। भारत के कई राज्यों में हिंदू नववर्ष को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। मराठी में इसे गुड़ी पड़वा कहा जाता है जो एक महत्वपूर्ण त्योहार है। हिंदी कैलेंडर के अनुसार, गुड़ी पड़वा का त्योहार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन लोग नए वस्त्र धारण करते हैं और अपने घरों को सजाते हैं। इस विशेष अवसर पर भगवान विष्णु के साथ-साथ ब्रह्मा जी की भी पूजा की जाती है।

गुड़ी पड़वा पूजा विधि

सबसे पहले गुड़ी पड़वा के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करलें। इसे बाद पूरे घर की अच्छे से साफ-सफाई करने के बाद घर के मुख्य द्वार को आम के पत्ते की तोरण लगाएं और घर को रंगोली से सजाएं। अब घर के किसी एक हिस्से में गुड़ी लगाएं और उसे फूलों से सजाएं। गुड़ी पड़वा के दिन पूरे परिवार के साथ विधि- विधान पूर्वक ब्रह्मा जी पूजा करें। तत्पश्चात गुड़ी फहराने के बाद भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करें।

चैत्र नवरात्रि के दौरान जरूर खरीदें ये चीजें घर में आएगी खुशहाली

चैत्र नवरात्रि का त्योहार नौ दिनों तक चलता है और इस दौरान मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। चैत्र नवरात्रि में खरीदारी करना शुभ माना जाता है। चैत्र नवरात्रि को किसी भी नए काम की शुरुआत के लिए बेहद शुभ माना जाता है। चैत्र नवरात्रि के दौरान सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। अब ऐसे में चैत्र नवरात्रि के दौरान कुछ ऐसी चीजें हैं, जिसे खरीदने से व्यक्ति के जीवन में खुशियों का आगमन हो सकता है।

चैत्र नवरात्रि के दौरान खरीदें मिट्टी का बर्तन

नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना की जाती है, जिसके लिए मिट्टी के कलश का उपयोग किया जाता है। मिट्टी के कलश को शुद्ध और पवित्र माना जाता है, इसलिए इसका उपयोग शुभ कार्यों में किया जाता है। ज्योतिष शास्त्र में मिट्टी के बर्तन को समृद्धि का कारक माना गया है। इसलिए मां दुर्गा की पूजा के लिए मिट्टी के बर्तन ही खरीदें।

चैत्र नवरात्रि के दौरान खरीदें चांदी का सिक्का

चैत्र नवरात्रि के दौरान चांदी का सिक्का खरीदना बेहद शुभ माना जाता है। नवरात्रि में चांदी का सिक्का खरीदने से घर में सुख-समृद्धि और धन का आगमन होता है। नवरात्रि में चांदी का सिक्का खरीदने से सौभाग्य बढ़ता है और जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। चांदी के सिक्के को नवरात्रि पूजा में रखना शुभ माना जाता है।

चैत्र नवरात्रि के दौरान खरीदें जौ

जौ को सृष्टि की पहली फसल माना जाता है, इसलिए इसे पूजा में शामिल करना शुभ माना जाता है। नवरात्रि में जौ बोने से देवी दुर्गा प्रसन्न होती हैं और भक्तों को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं।

चैत्र नवरात्रि के दौरान खरीदें पीले चावल

पीले चावल को शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। नवरात्रि में इनका उपयोग देवी दुर्गा की पूजा में किया जाता है, जिससे घर में सुख-शांति और समृद्धि आती है। पीले चावल का उपयोग देवी-देवताओं को आमंत्रित करने के लिए किया जाता है। माना जाता है कि पीले चावल अर्पित करने से देवी-देवता प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

चैत्र नवरात्रि के दौरान खरीदें श्रृंगार का सामान

चैत्र नवरात्रि के दौरान श्रृंगार का सामान खरीदना बहुत शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नवरात्रि में सोलह श्रृंगार का सामान खरीदने और मां दुर्गा को अर्पित करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है और घर में सुख-समृद्धि आती है।

पानी की समस्या को लेकर आप का प्रदर्शन, रिसाली निगम आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने रिसाली नगर निगम क्षेत्र में बढ़ती जल समस्या को लेकर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि हर साल गर्मी में पानी की किल्लत गंभीर रूप ले लेती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया है।

पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री संजीत विश्वकर्मा ने बताया कि वार्ड क्रमांक 13 से 21 और 32 से 34 तक कई मोहल्लों में लगातार पानी की समस्या बनी हुई है। पाइपलाइन ऊंचाई पर होने के कारण घरों तक पानी नहीं पहुंच पाता, जिससे लोगों को मोटर पंप का सहारा लेना पड़ता है और कई घरों में पानी नहीं पहुंच पाता।

नेताओं ने कहा कि राज्य में करीब चार महीने तक भीषण गर्मी रहती है। इस दौरान भू-जल स्तर नीचे चला जाता है और कई हैंडपंप सूख जाते हैं। ऐसे में लोगों को नगर निगम के टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता है, जो अक्सर दोपहर में भेजे जाते हैं।

दुर्ग लोकसभा अध्यक्ष गीतेश्वरी बघेल ने मांग की कि टैंकरों की आपूर्ति सुबह 8 बजे से पहले या शाम 5 बजे के बाद की जाए, ताकि लोगों को सुविधा मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं को पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता है, जो चिंताजनक स्थिति है।

दुर्ग लोकसभा उपाध्यक्ष शिवा रायडू ने कहा कि निगम क्षेत्र के तालाबों की सफाई नहीं होने से लोग उनका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। गंदे पानी के कारण बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है।

पार्टी ने मांग की कि बंद पड़े सभी वाटर एटीएम तुरंत चालू किए जाएं और स्टेशन मरोदा, नेवई तथा मरोदा टैंक जैसे क्षेत्रों में नए वाटर एटीएम लगाए जाएं। साथ ही नल-जल योजना के तहत पानी सप्लाई का समय बढ़ाने की भी मांग की गई।

पार्टी नेताओं ने कहा कि वे पहले भी कई बार इस मुद्दे पर ज्ञापन दे चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय वाडवासी मौजूद रहे, जिन्होंने जल संकट को लेकर निगम प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई।

खास खबर

चोरी का खुलासा : बेटी ही निकली आरोपी, 12 लाख के जेवरात बरामद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

घर में हुई सोने के आभूषणों की चोरी के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए परिवार की ही सदस्य को आरोपी के रूप में गिरफ्तार किया है। मामले में करीब 7 तोला सोना (लगभग 12 लाख रुपये मूल्य) बरामद किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एम. नचैय्या निवासी भिलाई भट्ठी ने 21 जनवरी 2026 को थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि 2 जनवरी को उनके घर से करीब 8.59 लाख रुपये के सोने के आभूषण चोरी हो गए। प्रारंभिक जांच में संदेह परिवार के भीतर ही व्यक्त किया गया। मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने एम. श्यामला (26 वर्ष) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर घर से आभूषण चोरी किए। आरोपी ने यह भी बताया कि चोरी के कुछ आभूषण फाइनेंस कंपनी में गिरवी रखकर पैसे प्राप्त किए, जबकि शेष आभूषण अपने पास रखे।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लगभग 7 तोला सोना बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपये बताई जा रही है। बाकी आभूषणों और अन्य संभावित आरोपियों के संबंध में जांच जारी है। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे घर में कीमती सामान सुरक्षित रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। साथ ही पारिवारिक स्तर पर भी सतकर्ता और विश्वास बनाए रखने की सलाह दी गई है।

नेशनल डिफेंस कॉलेज की टीम का सेल-बीएसपी भ्रमण, इस्पात उत्पादन की प्रक्रियाओं को जाना

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नई दिल्ली स्थित नेशनल डिफेंस कॉलेज की उच्च स्तरीय टीम ने 19 मार्च, 2026 को सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का भ्रमण कर प्रमुख उत्पादन इकाइयों में इस्पात निर्माण की प्रक्रियाओं का अवलोकन किया, जिसमें वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी शामिल रहें।

भ्रमण के प्रारंभ में इस्पात भवन में संवादात्मक बैठक के दौरान निदेशक प्रभारी (सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र) चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार तथा कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार सहित संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम के सदस्यों का स्वागत किया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक (दुर्ग-भिलाई) अभिषेक शांडिल्य एवं पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल समेत पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

संवादात्मक बैठक के दौरान टीम को उप प्रबंधक (जनसंपर्क विभाग) सुश्री शालिनी चौरसिया द्वारा एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संयंत्र के उत्पादन, प्रमुख इकाइयों एवं शॉप्स की कार्यप्रणाली, उत्पादन प्रक्रियाओं, उत्पाद मिश्रण तथा समग्र उत्पादन उपलब्धियों पर व्यापक जानकारी साझा की गई। इसके उपरांत संयंत्र में प्रवेश से पूर्व आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल की जानकारी दी गई।

टीम के सदस्यों ने उत्पादन से जुड़े विभिन्न मापदंडों एवं परिचालन प्रक्रियाओं पर गहन चर्चा की तथा भिलाई इस्पात संयंत्र के राष्ट्र की सामरिक एवं रक्षा अवसंरचना में महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की।

संयंत्र भ्रमण के दौरान टीम ने ब्लास्ट फर्नेस-8 में हॉट मेटल उत्पादन, स्टील मेल्टिंग शॉप-3 में क्रूड स्टील निर्माण तथा यूनिवर्सल रेल मिल में विश्व की सबसे लंबी 130 मीटर रेल के रोलिंग की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा। आधुनिकीकृत इकाइयों—बीएफ-8, एसएमएस-3 एवं यूनिवर्सल रेल मिल—की उच्च दक्षता, विशालता एवं उन्नत तकनीकी क्षमताओं ने आगंतुकों को विशेष रूप से प्रभावित किया।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1960 में रक्षा मंत्रालय के अधीन स्थापित नेशनल डिफेंस कॉलेज देश का प्रमुख संस्थान है, जहां वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों एवं सिविल सेवकों को राष्ट्रीय सुरक्षा एवं सामरिक विषयों पर उच्चस्तरीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। संस्थान द्वारा भू-राजनीति, रक्षा रणनीति, अर्थव्यवस्था तथा उभरती प्रौद्योगिकियों से संबंधित व्यापक पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं, जिनमें भारतीय एवं मित्र देशों के अधिकारियों की सहभागिता होती है।

भिलाई निगम जोन-2 के कुर्की टीम ने करदाताओं से वसूले 5 लाख रुपए

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्र में राजस्व विभाग द्वारा बकाया संपत्तिकर वसूली को लेकर सख्त कार्यवाही की जा रही है। निगम के कुर्की टीम ने बकाया संपत्तिकर दाताओं से 5,47,315.00 रूपये वसूल किये। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लंबे समय से संपत्तिकर बकाया रखने वाले करदाताओं को पूर्व में नोटिस दिया गया है।

बकाया राशि नहीं करने वाले बकायादारों से टीम मौके पर जाकर मिल रहे है और उन्हे राशि जमा करने प्रेरित किया जा रहा है। कार्यवाही के दौरान संबंधित करातादाओं से बकाया राशि वसूल कर निगम कोष में जमा कराया गया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बकाया कर वसूली के लिए आगे भी इसी तरह की सख्त कार्यवाही जारी रहेगा। नगर निगम भिलाई को क्षेत्र के करदाताओं से अपेली है कि वे समय पर अपने बकाया करों का भुगतान करे, ताकि किसी प्रकार की दण्डात्मक कार्यवाही से बचा जा सके।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क्रं. 202603101000107 अ-6/वर्ष 2025-26 में आवेदिका/आवेदक ज्योंय हैरिसन मसीह पिता जॉन सेमुअल एवं अन्य 01 निवासी कुरूद भिलाई द्वारा ग्राम - कुरूद प.ह.न. 46 रा.नि.मं. कोहका व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि पुराना खसरा नं. 1574/214 रकबा 0.040 हे. है। जो भूमिस्वामी एस. एच. मसीह पिता स्व. जॉन हेनरी मसीह एवं अन्य के नाम पर शमिलात खाते में दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी एस.एच. मसीह पिता स्व. जॉन हेनरी मसीह की मृत्यु दिनांक 04.03.2024 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 08/04/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिकृतागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
उप तहसील, भिलाई नगर (छ.ग.)

HERITAGE
INTERNATIONAL PUBLIC SCHOOL
ADMISSION OPEN
2026-27
Nursery to IX & XI
(Science, Humanities & Commerce)
50%** OFF
LIMITED OFFER
* 50% discount on admissions up to class II
* Meritorious scholarship for class IX and XI up to 10 lakhs
Nurturing Minds for a Global Perspective !
* International Exposure
* Academic Excellence (100% board result)
* World Class Sports Arena
* Smart Classrooms with AI Interactive Panels
** T&T apply
CBSE Aff No: 3330198
School provides admissions under RTE Act.
(DISE No : 22100720810)
+ 917566660470/75
www.heritageschools.org

G.G.S. PUBLIC SCHOOL
ADMISSION OPEN
Nursery | KG-I | KG-II
CLASS I to VIII
ENGLISH MEDIUM
ADMISSION FREE
Bedi Colony, Behind Canara Bank, Nandini Road, Bhilai (C.G.),
Mob.:7000633217, 7884079782
RTE के बच्चों का भी प्रवेश
Facilities
Passionate, dedicated and inspirational work.
Clean and attractive environment.
Complete personality development of every student.
Experienced and diligent teaching staff.
Smart Computer Bases.
Spoken English Classes.

अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर भिलाई के उद्योगों पर, एलपीजी संकट को लेकर छग चेंबर ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (CGCCI) के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने महामंत्री अजय भसीन एवं उद्योग चेंबर भिलाई के अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में दुर्ग कलेक्टर से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों, विशेषकर ईरान और अमेरिका के मध्य बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण उत्पन्न हुए 'कमर्शियल एलपीजी गैस' के गंभीर संकट से प्रशासन को अवगत कराया और त्वरित हस्तक्षेप की मांग की।

उत्पादन ठप और आर्थिक क्षति का खतरा

कलेक्टर को सौंपे गए आधिकारिक पत्र में चेंबर के पदाधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। भिलाई और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (MSMEs) पूरी तरह से गैस पर निर्भर हैं। गैस की कमी के कारण उत्पादन कार्य लगभग ठप होने की स्थिति में है। विशेष रूप से मार्च माह वित्तीय वर्ष का अंतिम समय होता है, जिसमें फेब्रिकेशन और अन्य निर्माण इकाइयों को अपने वर्क ऑर्डर समय सीमा में पूर्ण करने होते हैं। ऐसे में आपूर्ति बाधित होने से उद्यमियों को भारी पेनाल्टी और निरंतर आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

रोजगार पर मंडराता संकट

जितेंद्र प्रसाद गुप्ता ने चर्चा के दौरान जोर देकर कहा कि एलपीजी की कमी का असर केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव श्रमिकों के रोजगार पर भी पड़ रहा है। यदि उद्योगों को कच्चा माल और ऊर्जा (गैस) नहीं मिलेगी, तो लेबर ले-ऑफ की स्थिति बन सकती

है, जिससे हजारों परिवारों की आजीविका प्रभावित होगी। इसके अतिरिक्त, होटल और रेस्टोरेंट व्यवसायी भी गैस की किल्लत और ऊंचे दामों से जूझ रहे हैं, जिससे उनका दैनिक संचालन संकट में है।

चेंबर की मुख्य मांगें और प्रशासन का रुख

प्रतिनिधिमंडल ने जिला प्रशासन से निम्नलिखित बिंदुओं पर तत्काल कारर्वाई का आग्रह किया है: -- औद्योगिक इकाइयों को प्राथमिकता के आधार पर गैस उपलब्ध कराई जाए। गैस की कालाबाजारी और अनियमित वितरण पर जिला प्रशासन कड़ी निगरानी रखे। आपूर्ति श्रृंखला (Supply Chain) को सुचारू बनाने के लिए संबंधित तेल कंपनियों को निर्देशित किया जाए। अजय भसीन ने स्पष्ट किया कि यदि समय रहते समाधान नहीं हुआ, तो स्थानीय अर्थव्यवस्था को अपूरणीय क्षति होगी।

प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए कलेक्टर महोदय ने आश्वस्त किया कि वे इस मामले में संबंधित विभागों और गैस कंपनियों से तत्काल चर्चा करेंगे ताकि उद्योगों एवं व्यापारिक गतिविधियों को पुनः गति मिल सके। इस अवसर पर चेंबर के कई अन्य प्रमुख पदाधिकारी और औद्योगिक इकाईयों के संचालक उपस्थित रहे।

खास खबर

एमएसएमई उद्योग संघ की बैठक में गैस संकट पर हुई गंभीर चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

एमएसएमई उद्योग संघ, दुर्ग द्वारा संगठनात्मक गतिविधियों को सुदृढ़ करने एवं आगामी काययीजना तय करने के उद्देश्य से संघ के कार्यालय, भिलाई में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष के.के झा ने की। बैठक में उपाध्यक्ष अरविंदर सिंह खुराना, व्यास प्रसाद शुक्ल, मयूर कुकरेजा, कोषाध्यक्ष विजय अग्रवाल, एग्जीक्यूटिव मेंबर विवेकानंद झा एवं आमंत्रित सदस्य चमन लाल बंसल विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संगठन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं सारगर्भित चर्चा की गई। सदस्यों ने संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के लिए ठोस रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया।

इंडस्ट्रियल गैस संकट पर चिंता : बैठक में क्षेत्र में जारी इंडस्ट्रियल गैस संकट के गंभीर मुद्दे पर विशेष चर्चा की गई। सदस्यों ने बताया कि इस संकट के कारण कई उद्योग एवं कारखाने प्रभावित हो रहे हैं, जिससे उत्पादन और रोजगार पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। समस्या के शीघ्र समाधान हेतु प्रभावी एवं ठोस कदम उठाने पर सहमति बनी।

28 मार्च को अगली बैठक : संघ की कोर कमेटी की अगली बैठक 28 मार्च 2026, सायं 4 बजे एमएसएमई उद्योग संघ कार्यालय, भिलाई में आयोजित की जाएगी, जिसमें संगठन के प्रमुख मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। बैठक के अंत में सभी सदस्यों को हिन्दू नववर्ष एवं गुरु पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। संघ के महासचिव अंकित मेहता ने सभी सदस्यों से निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाने का आग्रह किया।

छग में 'जेम' के नाम पर बड़ा खेल! 2 हजार का वर्मी बेड 16,500 में खरीदा

हॉर्टिकल्चर विभाग पर गंभीर सवाल – एक ही फर्म को भारी वर्क ऑर्डर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-सुकमा

छत्तीसगढ़ के हॉर्टिकल्चर विभाग में सरकारी खरीद को लेकर बड़ा घोटाला सामने आता दिख रहा है। Government e-Marketplace (GeM) पोर्टल के जरिए खरीदे गए वर्मी कम्पोस्ट बेड की कीमतों ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दस्तावेजों के अनुसार, जिस वर्मी कम्पोस्ट बेड की बाजार कीमत करीब 2 हजार रुपए बताई जा रही है, उसे विभाग ने 16,500 रुपए प्रति यूनिट में खरीदा। यानी कीमत में करीब 7 से 8 गुना नहीं बल्कि कई गुना तक बढ़ोतरी का मामला सामने आ रहा है।

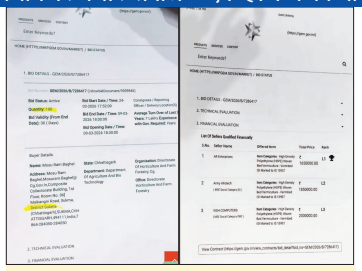

टेंडर का पूरा खेल समझिए

जेम पोर्टल पर जारी बिड (GEM/2026/B/7286417) में: कुल 100 यूनिट की खरीदी दिखाई गई। सबसे कम बोली लगाने वाली फर्म AR Enterprises को 16,50,000 का ठेका दूसरी और तीसरी कंपनियों की दरें और भी ज्यादा यानी शुरुआत से ही रेट असामान्य रूप से ऊंचे रखे गए, जिससे प्रतिस्पर्धा के बावजूद कीमतें नीचे नहीं आईं।

सुकमा से जुड़ा मामला, विभाग पर सीधा सवाल

दस्तावेजों में खरीदी का स्थान सुकमा जिला दर्शाया गया है, जहां हॉर्टिकल्चर विभाग के अंतर्गत यह पूरा प्रोजेक्ट संचालित हो रहा है। खरीदी प्रक्रिया में विभागीय अधिकारियों की भूमिका अब जांच के घेरे में है।

एक ही कंपनी को भारी वर्क ऑर्डर?

सूत्रों के अनुसार, इसी तरह की खरीदी में एक ही कंपनी को करोड़ों (करीब 500 करोड़ तक) के वर्क ऑर्डर दिए जाने की बात सामने आ रही है। यदि यह सत्य है, तो यह सिर्फ ओवरप्राइसिंग नहीं बल्कि सिस्टमेटिक कमीशनखोरी और मिलीभगत का संकेत है।

कहां गया 'जेम' का पारदर्शिता मॉडल?

सरकार द्वारा पारदर्शिता के लिए शुरू किया गया Government e-Marketplace (GeM) अब खुद सवालों में है। क्या जेम प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग हो रहा है? क्या विभाग जानबूझकर ऊंची दरों पर खरीदी कर रहा है? क्या इसमें कमीशन का बड़ा खेल चल रहा है?

जांच की मांग तेज

इस पूरे मामले में अब उच्च स्तरीय जांच की मांग उठ रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर बाजार दर और जेम दरों में इतना बड़ा अंतर है, तो यह सरकारी धन की खुली लूट हो सकती है। छत्तीसगढ़ में वर्मी कम्पोस्ट बेड खरीदी का यह मामला सिर्फ एक खरीद नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की पारदर्शिता पर सवाल है। अगर समय रहते जांच नहीं हुई, तो यह मामला आने वाले दिनों में बड़े घोटाले के रूप में सामने आ सकता है।

रायपुर-धमतरी हाईवे पर जीप में ब्लास्ट! रोड मार्किंग के दौरान लगी भीषण आग, मची खलबली

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर में शनिवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। रायपुर-धमतरी हाईवे पर माना से लगे देवपुरी के पास रोड मार्किंग का काम कर रही एक जीप में अचानक जोरदार धमाके के साथ आग लग गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।

घटना के समय सड़क पर लेन और अन्य संकेतक मार्किंग का कार्य चल रहा था। जीप में मौजूद कमर्चारी—महिला और पुरुष—धमाका होते ही जान बचाकर भागते नजर आए। धमाके की तेज आवाज से आसपास के लोग भी दहशत में आ गए और सड़क किनारे मौजूद लोग इधर-उधर भागने लगे।

जानकारी के मुताबिक, जीप में रोड मार्किंग मटेरियल को गर्म करने के लिए भट्ठी जैसी मशीन लगी थी, जो सैकड़ों डिग्री तापमान पर काम कर रही थी। इसी दौरान सिलेंडर और अत्यधिक तापमान के कारण चिंगारी उठी, जिसने भयानक विस्फोट का रूप ले लिया।

दूर तक दिखा धुआं

आग इतनी भीषण थी कि धुआं और लपटें काफी दूर तक दिखाई दीं। राहगीरों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। फिलहाल इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने और स्थिति को नियंत्रित करने में जुटी है।

युवक की हत्या : खेत में दफन मिली लाश हाथ-पैर बाहर निकलने पर हुआ खुलासा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अभनपुर थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है, जहां युवक की हत्या कर उसकी लाश जमीन में गाड़ दी गई। मामला तब उजागर हुआ जब जमीन के बाहर मृतक के हाथ और पैर दिखाई दिए, जिसके बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान रायपुर के शदाणी दरबार निवासी नितेश बत्रा (25) के रूप में हुई है। नितेश थोक अनाज मंडी में आलू-प्याज पार्किंग का काम देखता था। शनिवार को अभनपुर क्षेत्र के भरेंगा भाठा, पाटन रोड के पास एक खार में उसकी लाश दफन मिली।

हाथ के टैटू से हुई पहचान

मृतक की शिनाख्त उसके हाथ में बने टैटू के आधार पर की गई। पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची टीम ने फोरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग स्क्वॉड की मदद से जांच शुरू की।

तीन दिन पहले दर्ज हुई थी गुमशुदगी

परिजनों ने 18 मार्च को माना थाना में नितेश की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया गया कि वह 16 मार्च से बिना बताए घर से लापता था। रिपोर्ट के तीन दिन बाद उसकी लाश मिलने से मामला और गंभीर हो गया है।

हत्या कहीं और, शव यहां दफनाने की आशंका

प्रारंभिक जांच में घटनास्थल पर संघर्ष के कोई निशान नहीं मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि युवक की हत्या कहीं और की गई और सबूत मिटाने के उद्देश्य से शव को सुनसान इलाके में लाकर गाड़ दिया गया। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने महज 2 से 2.5 फीट गड्ढा खोदकर शव को दबाया था, जिसके चलते हाथ और पैर बाहर निकल आए और पूरी वारदात का पर्दाफाश हो गया।

जांच में जुटी पुलिस

फिलहाल हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस लेन-देन, प्रेम प्रसंग और आपसी रंजिश सहित सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। परिजनों से पूछताछ के साथ-साथ मृतक के संपर्कों और गतिविधियों की भी गहन जांच की जा रही है। एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं, वहीं डॉग स्क्वॉड की मदद से आसपास के क्षेत्र में सुराग तलाशे जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

आस्था के पथ पर 'सिस्टम' का जाम!

एसी कमरों वाली प्लानिंग या पदयात्रियों के लिए 'डेथ ट्रैप'? कब जागेगा प्रशासन?

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव-डोंगरगढ़

नवरात्रि यानी आस्था का सैलाब, लाखों कदम और 'जय माता दी' की गूंज। डोंगरगढ़ की मां बम्लेश्वरी के दरबार जाने वाले पदयात्रियों के लिए यह सफर श्रद्धा का प्रतीक है, लेकिन नेशनल हाईवे-53 पर उतरते ही यह श्रद्धा 'सजा' में बदल जाती है। हर साल की तरह इस साल भी प्रशासन ने वही घिसा-पिटा 'वन-वे' का फॉर्मूला थोप दिया है, जो राहत कम और आफत ज्यादा दे रहा है।

कागजों पर सुरक्षा, जमीन पर सुलगता गुस्सा

अंजोरा से राजनांदगांव और ठाकुर टोला तक का सफर आज एक 'अघोषित पार्किंग' बन चुका है। प्रशासन की अदूरदशिर्ता का आलम यह है कि बिना किसी वैज्ञानिक सर्वे के हाईवे को बैरिकेड्स से पाट दिया गया है।

'जुगाड़' नहीं, रायपुर जैसा 'स्काईवॉक' चाहिए!

जब राजधानी रायपुर में ट्रैफिक सुलझाने के लिए स्काईवॉक बन सकता है, तो राजनांदगांव-डोंगरगढ़ रूट पर यह विजन क्यों गायब है?

बड़ा सवाल: क्या पदयात्रियों की जान इतनी सस्ती है कि उन्हें हर साल भारी वाहनों के शोर और धूल के बीच चलने पर मजबूर किया जाए?

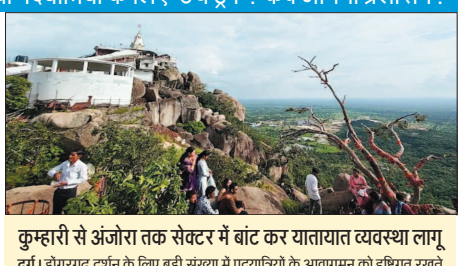

कुम्हारी से अंजोरा तक सेक्टर में बांट कर यातायात व्यवस्था लागू

दुर्ग। डोंगरगढ़ दर्शन के लिए बड़ी संख्या में पदयात्रियों के आवागमन को दृष्टिगत रखते हुए यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु विशेष ड्यूटी संचालित की जा रही है। पदयात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उनके बैग एवं पीठ पर रेडियम स्टिकर लगाए जा रहे हैं, जिससे वे रात्रि के समय भी स्पष्ट रूप से दिखाई दें। साथ ही यातायात पुलिस द्वारा लगातार पेट्रोलिंग कर मार्ग में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी जा रही है। पदयात्रियों को सड़क के बाईं ओर चलने एवं सर्विस रोड का उपयोग करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त सड़क पर बैठने से सख्ती से मना किया जा रहा है, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना को रोका जा सके। यातायात पुलिस द्वारा पदयात्रियों को सतकर्ता के साथ यात्रा करने हेतु लगातार समझाइश दी जा रही है। दुर्ग पुलिस सभी पदयात्रियों से अपील करती है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, सड़क के बाईं ओर चलें तथा पुलिस द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर हेल्पलाइन नंबर 9479192099 / 9479192029 पर संपर्क करें।

अब बहानेबाजी बंद हो!

डोंगरगढ़ मेला कोई अचानक होने वाली घटना नहीं है। यह हर साल आता है। फिर वही 'फ्लॉप' वन-वे रणनीति क्यों? शासन-प्रशासन को अब 'मैनेजमेंट' नहीं, 'इंजीनियरिंग' की जरूरत है। अगर अब भी स्काईवॉक या समर्पित कॉरिडोर पर काम शुरू नहीं हुआ, तो यह 'विकास' केवल फाइलों की शोभा बढ़ाता रहेगा।

अव्यवस्था का 'कॉकटेल'

समय की बर्बादी: जो सफर 30 मिनट में कटना चाहिए, वहां ट्रक और गाड़ियां 4 घंटे तक रेंग रही हैं।

इमरजेंसी पर ब्रेक: सबसे डरावनी बात यह है कि जाम में एम्बुलेंस फंसी रहती हैं। क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है?

प्रदूषण का कहर: घंटों स्टार्ट खड़े वाहनों का धुआं पदयात्रियों के फेफड़ों में जहर घोल रहा है।

स्थायी समाधान का ब्लूप्रिंट

एलिवेटेड वॉक-वे: अंजोरा से राजनांदगांव तक समर्पित 'स्काईवॉक' बने, ताकि नीचे गाड़ियां दौड़ें और ऊपर पदयात्री सुरक्षित रहें।

वैज्ञानिक रूट प्लान: हाईवे अथॉरिटी विशेषज्ञों के साथ मिलकर नया ट्रैफिक चार्ट तैयार करे, न कि केवल बैरिकेड लगाकर 'इतिश्री' करे।

वैकल्पिक मार्ग: भारी वाहनों के लिए नवरात्रि के दौरान ठोस वैकल्पिक रास्तों का प्रबंधन हो।

'बीरा जी के अंगना' में गूंजे शहनाई के स्वर, गरीब बेटियों के लिए वरदान बनी इंद्रजीत सिंह छोटू की पहल

सर्व समाज को समर्पित स्थल अब बना सामाजिक सेवा का केंद्र, निर्मलकर परिवार की बेटी का विवाह बना मिसाल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आर्य नगर, कोहका स्थित बीरा जी के अंगना एक बार फिर सामाजिक समरसता और सेवा का प्रतीक बनकर सामने आया, जब यहां निर्मलकर परिवार की पुत्री का विवाह हुआ। यह वही स्थल है, जिसे गणतंत्र दिवस के अवसर पर हजारों लोगों की उपस्थिति में सर्व समाज को समर्पित किया गया था।

सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू द्वारा अपने स्व. पिता वीरा सिंह के सपनों को साकार करते हुए बनाए गए इस डोम शेड को गरीब, जरूरतमंद और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराने का संकल्प लिया गया था। आज यह संकल्प हकीकत में बदलता नजर आया, जब कोहका के निर्मलकर परिवार ने अपनी बेटी का विवाह इसी बीरा जी के अंगना में सम्पन्न कराया।

आज के समय में जहां निजी विवाह भवनों का खर्च आमजन के लिए भारी पड़ता है, वहां इस तरह का निःशुल्क सामाजिक स्थल समाज के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इस पहल ने न केवल एक परिवार को सहारा दिया, बल्कि पूरे क्षेत्र में एक सकारात्मक संदेश भी पहुंचाया है।

बीरा जी के अंगना को शादी-विवाह, रामायण पाठ, भागवत कथा और अन्य धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों के लिए समर्पित किया गया है। गणतंत्र दिवस पर हुए लोकार्पण के बाद से यहां कई छोटे आयोजन हो चुके हैं, लेकिन बेटी के विवाह

जैसे बड़े आयोजन ने इस पहल को नई पहचान दी है।

इंद्रजीत सिंह छोटू की इस पहल को शहरभर में सराहा जा रहा है। लोगों का कहना है कि यह सिर्फ एक भवन नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को जोड़ने वाला मंच है, जो सामाजिक समानता और सहयोग की भावना को मजबूत कर रहा है।

इसी कड़ी में हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2083 के अवसर पर सेक्टर-09 चौक, भिलाई में भव्य बाइक रैली के साथ विशाल भगवा ध्वज की स्थापना की गई। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया और भव्य महाआरती में शामिल होकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे आयोजन ने यह साबित कर दिया कि जब संकल्प समाज के लिए हो, तो उसका प्रभाव दूर तक दिखाई देता है। बीरा जी के अंगना आज उसी संकल्प की सजीव मिसाल बन चुका है।

भक्ति, समाजसेवा और जनसंपर्क में सक्रिय दिखे इंद्रजीत सिंह छोटू, भिलाई में लगातार बढ़ी जनभागीदारी

शहर में इन दिनों धार्मिक, सामाजिक और जनकल्याणकारी गतिविधियों में इंद्रजीत सिंह छोटू की सक्रियता लगातार देखने को मिल रही है। विभिन्न आयोजनों में सहभागिता के माध्यम से उन्होंने जहां आस्था से जुड़ाव दिखाया, वहीं समाजसेवा के कार्यों को भी गति दी। भिलाई सेक्टर-07 ग्राउंड में आयोजित ह्लएक शाम श्रीराम खाटूश्याम के नामह्व भजन संध्या कार्यक्रम में शामिल होकर उन्होंने आयोजन की सराहना की और आयोजक अतुल पर्वत सहित पूरी टीम को बधाई दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भक्ति का माहौल बना रहा। इसके साथ ही उन्होंने छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के नवनियुक्त उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला के पदभार ग्रहण समारोह में शामिल होकर उन्हें शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्य भी मौजूद रहे।

सामाजिक सरोकारों के तहत सर्व समाज कल्याण समिति एवं यूथ सिख सेवा समिति द्वारा शिक्षा सहायता के लिए प्राप्त आवेदनों की सत्यापन प्रक्रिया भी जारी है। समिति के सदस्य जरूरतमंदों तक पहुंचकर उनकी स्थिति का निरीक्षण कर रहे हैं और पात्र हितग्राहियों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं चैत्र नवरात्रि एवं उगादी महोत्सव-2026 के अवसर पर सेक्टर-5 स्थित माँ कंची कामाक्षी देवी मंदिर में पूजा-अचर्ना कर ज्योत प्रज्वलित की। इस दौरान अग्निकुल क्षत्रिय समाजम् के पदाधिकारियों एवं समाजजनों से आत्मीय मुलाकात भी हुई। उन्होंने सभी के सुख, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। लगातार विभिन्न आयोजनों में सहभागिता और समाजसेवा के कार्यों के चलते इंद्रजीत सिंह छोटू की सक्रियता क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। उनके प्रयासों से न केवल धार्मिक आस्था को बल मिल रहा है, बल्कि जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने का कार्य भी मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंदु स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।